वर्ष-10, अंक-44 पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज शुक्रवार, 19 अप्रैल, 2024

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Adhunik Samachar

संक्षिप्त समाचार

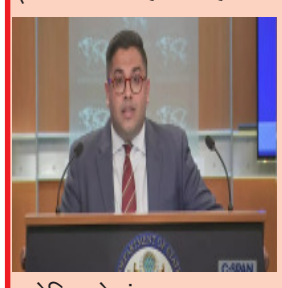

यूएनएससी में भारत को मिलेगी स्थायी सदस्यता एलन मस्क के समर्थन के बाद अब अमेरिका ने भी दी प्रतिक्रिया

वाशिंगटन, डीसी (यूएस)। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने बुधवार को एक प्रेस वार्ता में कहा कि अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) सहित संयुक्त राष्ट्र संस्थानों में सुधार के लिए समर्थन की पेशकश की है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने बुधवार को एक प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि

अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित संयुक्त राष्ट्र संस्थानों में सुधार के लिए समर्थन की पेशकश की है। बता दें कि जनवरी में एलन मस्क ने भारत को ळश्एण् में स्थायी सीट न मिलने को बेतुका बताया था। यूएनएससी में भारत की स्थायी सीट की कमी के बारे में टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के बयान के बारे में पूछे जाने पर वेदांत पटेल ने कहा, राष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपनी टिप्पणी में पहले भी इस बारे में बात की है और सचिव ने भी इस ओर इशारा किया है। हम निश्चित रूप से सुरक्षा परिषद सहित संयुक्त राष्ट्र संस्था में सुधारों का समर्थन करते हैं, ताकि इसे 21वीं सदी की दुनिया, जिसमें हम रह रहे हैं, को प्रतिबिंबित किया जा सके। वे कदम क्या हैं, इसके बारे में बताने के लिए मेरे पास कोई विशेष जानकारी नहीं है, लेकिन निश्चित रूप से, हम इसे स्वीकार करते हैं। सुधार की आवश्यकता है। जनवरी में एलन मस्क ने भारत को ळश्एण् में स्थायी सीट न मिलने को 'बेतुका' बताया था। उन्होंने कहा कि जिन देशों के पास जरूरत से ज्यादा ताकत है, वे उसे छोड़ना नहीं चाहते। एक्स पर एक पोस्ट में मस्क ने कहा, कुछ बिंदु पर, संयुक्त राष्ट्र निकायों में संशोधन की आवश्यकता है।

चुनावी महासंग्राम

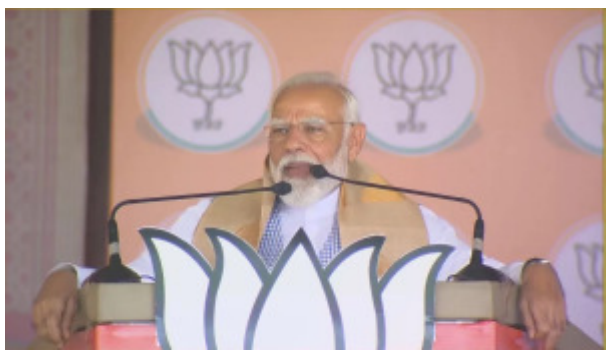

लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पीएम मोदी ने बीजेपी-एनडीए उम्मीदवारों को लिखी चिट्ठी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को लोकसभा चुनाव के पहले चरण में चुनाव लड़ रहे सभी कहा। मोदी ने अपने संदेश में कहा कि यह चुनाव देश के वर्तमान को उज्ज्वल भविष्य से जोड़ने का अवसर है। भाजपा सूत्रों ने मोदी द्वारा भेजे

भाजपा नीत राजग गठबंधन के सभी उम्मीदवारों को व्यक्तिगत पत्र लिखकर उनसे अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं तक अपना संदेश पहुंचाने के लिए कहा। मोदी ने अपने संदेश में कहा कि यह चुनाव देश के वर्तमान को उज्ज्वल भविष्य से जोड़ने का अवसर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को लोकसभा चुनाव के पहले चरण में चुनाव लड़ रहे सभी भाजपा नीत राजग गठबंधन के सभी उम्मीदवारों को व्यक्तिगत पत्र लिखकर उनसे अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं तक अपना संदेश पहुंचाने के लिए गए दो पत्रों को साझा किया। इनमें एक कोयंबटूर के उम्मीदवार और भाजपा की तमिलनाडु इकाई के प्रदेशाध्यक्ष के अननमलाई को अंग्रेजी में लिखा गया है जबकि दूसरा हिंदी में भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अनिल बलूनी को लिखा गया है। बलूनी उत्तराखंड के पौरी गढ़वाल से चुनाव लड़ रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री का क्षेत्रीय भाषाओं में संदेश पहुंचाने पर भी फोकस है। मोदी ने पत्र में कहा, मैं आपके लोकसभा मतदाताओं व कार्यकताओं से कहना चाहता हूं कि यह साधारण चुनाव नहीं है। यह चुनाव हमारे वर्तमान और उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का एक सुनहरा अवसर है। यह चुनाव 50-60 सालों में कांग्रेस के शासनकाल में हमारे परिवार और बुजुर्गों ने जो कष्ट सहे हैं, उनसे मुक्ति पाने का अहम क्षण है। पिछले दस सालों में समाज के हर वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाते हुए देशवासियों की कठिनाइयों को दूर किया गया है। इस बार हमें मिलना वाला आपका हर वोट एक मजबूत सरकार बनाने और 2047 तक भारत को विकसित बनाने के प्रयासों को गति देने वाला होगा। मोदी ने पत्र में कहा है कि चुनाव के पहले के अंतिम घंटे बेहद अहम होते हैं। इसलिए मेरा आपके माध्यम से सभी कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि वे अपने स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखें। सभी मतदाताओं से अनुरोध है कि वह गर्मी और दूसरी असुविधाओं को बर्दाश्त करते हुए राष्ट्र निर्माण का यह मौका गंवाएं नहीं। संभव हो तो सुबह ही मतदान करे। पीएम ने कहा है कि सभी मतदाताओं को आप मेरी तरफ से गारंटी देना कि मोदी का पल-पल देशवासियों के नाम है। अंत में पीएम ने राजग प्रत्याशियों को चुनाव में विजयी होने की शुभकामनाएं दी हैं।

पीएम मोदी और अमित शाह 20 से करेंगे कर्नाटक का ताबड़तोड़ दौरा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
बेंगलुरु। भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति के राज्य समन्वयक और राज्य महासचिव वी सुनील कुमार ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री लेंगे। सुनील कुमार ने कहा कि शाह 23 अप्रैल को बेंगलुरु के विभिनन्न हिस्सों में रोड़ शो करेंगे और अगले दिन वह चिक्कमगलुरु, तुमकुरु और हुबली में जनसभाओं को संबोधित

नरेन्द्र मोदी बेंगलुरु और चिक्काबल्लापुरा में एक जनसभा को संबोधित करने के लिए 20 अप्रैल को कर्नाटक में होंगे भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति के राज्य समन्वयक और राज्य महासचिव वी सुनील कुमार ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बेंगलुरु और चिक्काबल्लापुरा में एक जनसभा को संबोधित करने के लिए 20 अप्रैल को कर्नाटक में होंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 23 और 24 अप्रैल को कर्नाटक में रहेंगे जहां वह कई चुनाव अभियानों में हिस्सा लेंगे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 23 और 24 अप्रैल को कर्नाटक में रहेंगे, जहां वह कई चुनाव अभियानों में हिस्सा करेंगे। 23 अप्रैल को यशवंतपुर में एक रोड शो होगा। इसके बाद येलहंका में एक जनसभा होगी। इसके अतिरिक्त अन्य चुनावी कार्यक्रम भी तय किए गए हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 24 अप्रैल को कर्नाटक में होंगे। वह सुबह राजराजेश्वरी नगर विधानसभा क्षेत्र में रोड शो करेंगे। दोपहर में मदिकेरी में एक जनसभा करेंगे और शाम को उडुपी के मालपे में एक जनसभा करेंगे।भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 21 अप्रैल को राज्य की यात्रा करेंगे और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 24 अप्रैल को कर्नाटक में होंगे।

देश की सुरक्षा को कमजोर करने की साजिश', माकपा के परमाणु हथियार नष्ट करने के वादे पर भड़के राजनाथ सिंह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
कासरगोड। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को माकपा के चुनावी घोषणा पत्र पर निशाना साधा, जिसमें माकपा ने कहा है कि अगर सत्ता में आये तो देश

के परमाणु हथियारों को नष्ट कर देंगे। मैं कांग्रेस पार्टी से पूछता चाहता हूं कि माकपा के इस वादे पर आप क्या करेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केरल के कासरगोड में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज भारत के दोनों पड़ोसियों के पास परमाणु हथियार हैं। ऐसी स्थिति में भारत के परमाणु हथियारों को नष्ट करने की बात करना देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने से कम नहीं है। यह देश की सुरक्षा को कमजोर करने की साजिश है। राजनाथ सिंह ने केरल के कासरगोड में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज भारत के दोनों पड़ोसियों के पास परमाणु हथियार हैं। ऐसी स्थिति में भारत के परमाणु हथियारों को नष्ट करने की बात करना, देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने से कम नहीं है। यह देश की सुरक्षा को कमजोर करने की साजिश है। माकपा यानि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) विपक्षी आईएनडीआईए ब्लॉक का हिस्सा है और माकपा ने गुरुवार को पार्टी के घोषणापत्र में परमाणु हथियारों को नष्ट करने का वादा किया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि एलडीएफ और यूडीएफ केंद्र में संयुक्त 'मनी हाइस्ट' की योजना बना रहे हैं। भाजपा ऐसा नहीं होने देगी, क्योंकि भारत की जनता ने तय कर लिया है- 'अबकी बार 400 पार'। उन्होंने कहा, राजनाथ सिंह ने कहा कि एक बार जब जनता ने त्रिपुरा और बंगाल से वामदलों को किक आउट कर दिया तो फिर सत्ता में उनके लिए नो एंट्री हो गई है।

लोकसभा चुनाव दो विचारधाराओं के बीच की लड़ाई, राहुल बोले

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मांड्या (कर्नाटक)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को आगामी

लोकसभा चुनावों को दो विचारधाराओं के बीच की लड़ाई बताया। उन्होंने कहा कि एक तरफ ध्र्न्ऊर्ध् 'संविधान के लिए लड़ रहा है' और दूसरी तरफ भाजपा 'संविधान और लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है' कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को आगामी लोकसभा चुनावों को दो विचारधाराओं के बीच की लड़ाई बताया। उन्होंने कहा कि एक तरफ संविधान के लिए लड़ रहा है और दूसरी तरफ भाजपा संविधान और लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है। उन्होंने कहा कि अगर आईएनडीआईएन देश की सत्ता में आता है तो यह आम नागरिकों किसानों मजदूरों और व्यापारियों की सरकार होगी लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के घोषणापत्र पर बोतले हुए उन्होंने कहा कि अगर आईएनडीआईएन देश की सत्ता में आता है, तो यह ठआम नागरिकों, किसानों, मजदूरों और व्यापारियों की सरकारठ होगी राहुल गांधी ने मांड्या में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, यह दो विचारधाराओं के बीच की लड़ाई है। एक तरफ कांग्रेस और आईएनडीआईएन का गुट है, जिसने संविधान के लिए लड़ाई लड़ी, देश को संविधान और लोकतंत्र दिया। दूसरी ओर भाजपा है।

बाइक को घसीटती ले गई लॉरीष्ठ निकल रही थी चिंगारी, लटका था युवक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। हैदराबाद से एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है, जिसमें एक तेज रफ्तार ट्रक को बाइक को अपने अगले पहिये के नीचे घसीटते कि एक बाइक सवार ट्रक के बगल से आगे निकलने की कोशिश करता है, तभी उसका संतुलन बिगड़ जाता है और बाइक ट्रक के अगले पहिये के नीचे फंस जाती है। बाइक ट्रक

हुए देखा जा सकता है। यह घटना हैदराबाद के एक व्यस्त सड़क पर हुई और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक बाइक सवार ट्रक के बगल से आगे निकलने की कोशिश करता है तभी उसका संतुलन बिगड़ जाता है और बाइक ट्रक के अगले पहिये के नीचे फंस जाती है। बाइक ट्रक के नीचे घिसटती रहती है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि बाइक सवार ट्रक के फुटबोर्ड पर चढ़कर अपनी जान बचा लेता है वीडियो में देखा जा सकता है के नीचे घिसटती रहती है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि बाइक सवार ट्रक के फुटबोर्ड पर चढ़कर अपनी जान बचा लेता है। इस घटना का वीडियो रवि कुमार नाम के यूजर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया है और ट्रक ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए संबंधित अधिकारियों को भी टैग किया है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद हैदराबाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है।

केरल में विदेशी पर्यटकों ने फलस्तीन समर्थक बैनर को किया नष्ट, पुलिस ने दर्ज किया केस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
कोच्चि। केरल स्थित कोच्चि में एक इस्लामी छात्र संगठन द्वारा फलस्तीन

के समर्थन में लगाए गए बैनर को नष्ट करने के आरोप में आस्ट्रेलिया की दो महिला पर्यटकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना सोमवार की शाम फोर्ट कोच्चि पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में हुई थी। यह घटना सोमवार को फोर्ट कोच्चि पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में हुई थी। पुलिस के अनुसार वहां दो महिला विदेशी पर्यटक मौजूद थीं और उनमें से एक ने जंकर जेट्टी के सामने स्टूडेंट्स इस्लामिक आर्गनाइजेशन (एसआईओ) द्वारा फलस्तीन के समर्थन में लगाए गए बैनर को नष्ट कर दिया। उन पर दंगा भड़काने के उद्देश्य से जानबूझकर इस कृत्य को अंजाम देने के लिए मामला दर्ज किया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, वहां दो महिला विदेशी पर्यटक मौजूद थीं और उनमें से एक ने जंकर जेट्टी के सामने स्टूडेंट्स इस्लामिक आर्गनाइजेशन (एसआइओ) द्वारा फलस्तीन के समर्थन में लगाए गए बैनर को नष्ट कर दिया। उन पर दंगा भड़काने के उद्देश्य से जानबूझकर इस कृत्य को अंजाम देने के लिए मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि बैनर में इजरायल द्वारा फलस्तीन पर किये गये हमले के संबंध में उसके खिलाफ संदेश लिखे हुए थे। इस बीच, इंटरनेट मीडिया पर आए वीडियो में एक महिला पर्यटक बैनर फाड़ने के बाद एसआइओ कार्यकर्ताओं के साथ बहस करते हुए नजर आ रही है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में 10 साल में 86 गुना बढ़ी ईडी की छापेमारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में 10 साल में 86 गुना बढ़ी ईडी की छापेमारी, शासन के दौरान तलाशी और जब्ती अभियान में आई तेजी तहत ईडी की कार्रवाई में तेजी की तस्वीर बयां करता है। पीएमएलए को 2002 में लाया गया था और कर चोरी, काले धन की उत्पत्ति और मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर अपराधों

केंद्र सरकार ने कहा है कि ईडी स्वतंत्र है इसकी जांच तथ्यों पर आधारित होती है और उसे भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार हासिल है। आंकड़ों से पता चलता है कि ईडी ने पिछले 10 वर्षों के दौरान पीएमएलए के तहत 5155 मामले दर्ज किए हैं जबकि संप्रग सरकार के कार्यकाल के दौरान कुल 1797 एफआईआर दर्ज की गईं। यह विश्लेषण पीएमएलए की विभिनन्न धाराओं के की जांच के लिए एक जुलाई 2005 से इसे लागू किया गया था। विपक्षी दलों का आरोप है कि पिछले दस सालों के दौरान ईडी की कार्रवाई भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ दमनकारी रणनीति का हिस्सा है। वहीं, केंद्र सरकार ने कहा है कि ईडी स्वतंत्र है, इसकी जांच तथ्यों पर आधारित होती है और उसे भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार हासिल है। आंकड़ों से पता चलता है कि ईडी ने पिछले 10 वर्षों के दौरान पीएमएलए के तहत 5,155 मामले दर्ज किए जबकि संप्रग सरकार के कार्यकाल के दौरान कुल 1,797 एफआईआर दर्ज की गईं। इस तरह दोनों अवधि की तुलना करने पर पता चलता है कि मामलों में लगभग तीन गुना वृद्धि हुई है।आंकड़ों से पता चलता है कि पहली बार 2014 के वित्तीय वर्ष में पीएमएलए के तहत किसी को दोषी ठहराया गया और अब तक 63 लोगों को इस कानून के तहत दंडित किया गया है। ईडी ने 2014-2024 की अवधि के दौरान देशभर में मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में 7,264 छापे मारे जबकि इससे पिछली अवधि में यह आंकड़ा केवल 84 था। इस तरह छापेमारी के मामलों में 86 गुना वृद्धि हुई। आंकड़ों में कहा गया है कि पिछले दस वर्षों के दौरान कुल 755 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 1,21,618 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई जबकि संप्रग काल में 29 गिरफ्तारियां हुईं और 5,086.43 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई थी।

इंडोनेशिया के रुआंग पर्वत पर फटा ज्वालामुखी, 24 घंटे में हुए पांच धमाके

जकार्ता।इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप के उत्तरी किनारे पर एक ज्वालामुखी फटा है। ज्वालामुखी फटने के बाद पिछले 24 घंटों में कम से कम पांच बड़े विस्फोट हुए

हैं। रुआंग पर्वत पर विस्फोट के बाद हजारों फीट ऊंची राख की गुबार देखी गई थी। जिसके बाद इंडोनेशियाई अधिकारियों ने बुधवार को सुनामी की चेतावनी जारी की।इंडोनेशिया के रुआंग पर्वत पर ज्वालामुखी विस्फोट हुआ है। रुआंग पर्वत पर फटा ज्वालामुखी एक्टिव नजर आ रहा हैजिसमें रह रहकर विस्फोट हो रहे हैं।ज्वालामुखी के फटने से आसपास बसे लोगों की जान को खतरा है। जिससे प्रशासन की चिंता बढ़ गई है।ज्वालामुखी के फटने के बाद अब बुधवार को यहां सुनामी का भी अलर्ट जारी किया गया है।अधिकारियों ने 11000 से अधिक लोगों को क्षेत्र छोड़ने का आदेश दिया।अधिकारियों ने 11 हजार से ज्यादा लोगों को इलाका छोड़ने का निर्देश दिया गया है।

भारत और दुबई के बीच रद्द हुई 30 से ज्यादा उड़ानें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। यूएई में भारी बारिश के कारण भारत और दुबई के बीच

संचालित होने वाली 30 से ज्यादा उड़ानें मंगलवार और बुधवार को रद्द करनी पड़ीं। इनमें एअर इंडिया, एअर इंडिया एक्सप्रेस, इंडिगो, एमिरेट्स और स्पाइस जेट एयरलाइंस की उड़ानें शामिल हैं। एअर इंडिया देश के विभिनन्न शहरों से दुबई के लिए हफ्तेभर में 72 उड़ानों का परिचालन करती है। एक अधिकारी ने बताया कि बुधवार को दिल्ली एयरपोर्ट से दुबई जाने वाली 10 उड़ानें और आने वाली नौ उड़ानें रद्द हुईं। एअर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने बताया कि दोनों दिन यूएई की उसकी तीन-चार उड़ानें विलंबित हुईं और सात उड़ानों को रद्द करना पड़ा। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि एयरलाइन प्रभावित यात्रियों को अगले कुछ दिनों में अन्य उड़ानों में समायोजित कर जल्द से जल्द उनके गंतव्य तक पहुंचाने की प्रयास कर रही है। साथ ही एयरलाइन 16 और 17 अप्रैल का वैध टिकट रखने वाले यात्रियों को एक बार तिथि बदलने की छूट प्रदान कर रही है ताकि वे टिकट की वैधता अवधि में आगामी तिथियों में अपनी फ्लाइट को रिशेड्यूल कर सकें। एअर इंडिया देश के विभिनन्न शहरों से दुबई के लिए हफ्तेभर में 72 उड़ानों का परिचालन करती है। एक अधिकारी ने बताया कि बुधवार को दिल्ली एयरपोर्ट से दुबई जाने वाली 10 उड़ानें और आने वाली नौ उड़ानें रद्द हुईं। एअर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने बताया कि दोनों दिन यूएई की उसकी तीन-चार उड़ानें विलंबित हुईं और सात उड़ानों को रद्द करना पड़ा। एयरलाइन ने प्रभावित यात्रियों को फुल रिफंड और फ्री रीशेड्यूलिंग का विकल्प दिया है। इंडिगो ने बताया कि उसे बुधवार को दुबई आने-जाने वाली 13 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। उसने यात्रियों से अनुरोध किया कि वे वैकल्पिक उड़ानों के विकल्प देखें या फुल रिफंड का अनुरोध करें।

पत्रकार एसोसिएशन प्रयागराज (बारा इकाई)की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। यमुनानगर(बारा) तहसील इकाई के सभी सदस्यों सहित तहसील, जिले एवं प्रांतीय पदाधिकारियों की एक आवश्यक बैठक तहसील परिसर बारा के समीप सम्पनन हुई। इस दौरान प्रांतीय अध्यक्ष पीसी पांडेय ने कहा कि सभी सदस्यों को आपसी सहमति एवं सामंजस्य से संगठन के उत्तरोत्तर विकास में सहायक बनना होगा। जिलाध्यक्ष सुभाष शुक्ल ने कहा कि किसी भी पत्रकार साथी को कोई समस्या आती है तो अविलंब संगठन के माध्यम से जानकारी दी जाय,ताकि समय रहते उसका निदान किया जा सके। वरिष्ठ पत्रकार मनोज केसरवानी के जन्मदिन के अवसर पर केक काटा गया और सभी ने शुभकामनाएं प्रदान की। सभा का समापन तहसील इकाई बारा के अध्यक्ष रविन्द्र तिवारी ने किया। उन्होंने बताया कि अब प्रतिमाह एक बैठक बुलाई जाएगी, सभी साथी समय से अवश्य पहुंचें। बैठक का कुशल संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता व पत्रकार आशीष मिश्रा ने किया। इस दौरान तहसील संरक्षक महेश प्रसाद त्रिपाठी, राकेश कुशवाहा, राकेश मिश्रा, संजय कुशवाहा, मयंक त्रिपाठी, यादवेन्द्र यादव, पवन पांडेय सहित कई वरिष्ठ पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र.के छात्र रेलवे में चयनित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। प्रयागराज नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के चार छात्रों का सिकंदराबाद में रेलवे में चयनित होने पर संस्थान परिवार ने बधाई दी है। प्रयागराज करछना तहसील के नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के चार छात्रों का रेलवे के धारा रेल प्रोजेक्ट सिकंदराबाद में चयन होने से विद्यालय प्रबंधतंत्र द्वारा छात्र का सम्मान एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने इन छात्रों का समारोहपूर्वक अभिनंदन एवं सम्मान करते हुये कहा कि यह विद्यालय के लिये गौरव की बात है।संस्थान के शिक्षक सदैव इस बात पर बल देते है कि छात्र अच्छा सीखें और अपने भविष्य को उज्ज्वल एवं सफल बनावें। उन्होंने भविष्य में और मेहनत व लगन से अध्यापन व अध्ययन करने हेतु शिक्षकों और छात्रों का आह्वान किया। इस अवसर पर केक काटकर केंद्र का स्थापना दिवस भी मनाया गया

अभ्यर्थियों के लिए आसान हुई पीसीएस प्री-2024 की तैयारी, कटऑफ के आधार पर कर सकेंगे बेहतर मूल्यांकन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा-2023 के लिए 5,65,459 अभ्यथिर्यों ने आवेदन किए थे। इनमें से 3,45,022 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए थे और 4047 अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा के लिए सफल हुए थे

जबकि 340975 अभ्यर्थी प्रारंभिक परीक्षा में ही छंटकर बाहर हो गए थे। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की ओर से पीसीएस-2023 की प्रारंभिक परीक्षा के प्राप्तांक और कटऑफ अंक जारी कर दिए जाने से अभ्थिर्यों के लिए अब पीसीएस-2024 की प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी आसान होगी। वे पीसीएस-2023 के प्राप्तांक एवं कटऑफ अंक के आधार पर अपनी तैयारियों का बेहतर मूल्यांकन कर सकेंगे। हालांकि, आयोग के कैलेंडर में पीसीएस-2024 की प्रारंभिक परीक्षा 17 मार्च 2024 को प्रस्तावित थी लेकिन आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा-2023 में पेपर लीक मामले के बाद आयोग ने पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा-2024 को स्थगित कर दिया था। अगर यह परीक्षा समय से आयोजित की गई होती तो पीसीएस-2024 में शामिल होने जा रहे अभ्यथिर्यों को पीसीएस-2023 की प्रारंभिक परीक्षा के प्राप्तांक एवं कटऑफ के आधार पर मूल्यांकन का मौका न मिलता पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा-2023 के लिए 5,65,459 अभ्यथिर्यों ने आवेदन किए थे। इनमें से 3,45,022 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए थे और 4047 अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा के लिए सफल हुए थे जबकि 340975 अभ्यर्थी प्रारंभिक परीक्षा में ही छंटकर बाहर हो गए थे। 23 जनवरी 2024 को घोषित अंतिम परिणाम में 251 अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए थे। योग्य अभ्यर्थी न मिलने के कारण प्राविधिक सहायक (भूतत्व) के दो (ओबीसी व एससी के एक-एक) पद खाली रह गए थे।पीसीएस-2023 की प्रारंभिक परीक्षा में जो अभ्यर्थी सफल नहीं हो सके थे, उनमें से बड़ी संख्या में अभ्यथिर्यों ने पीसीएस-2024 के लिए भी आवेदन किए हैं। ऐसे अभ्यर्थी चाहते थे कि पीसीएस-2023 की प्रारंभिक परीक्षा के प्राप्तांक एवं कटऑफ अंक अगली भर्ती की प्रारंभिक परीक्षा से पहले जारी कर दिए जाएंगे।

परिजनों ने साधे रखी चुप्पी, कुछ बोलने से किया इन्कार, मोर्चरी पर बिलखते रहे परिजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। महिला और पुरुष सिपाहियों की मौत को लेकर स्थिति पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद भी स्पष्ट हो सकी है। पीएम रिपोर्ट के अनुसार महिला सिपाही ने जहर खाया और सिपाही राजेश ने फांसी लगाकर जान दी है, लेकिन मोर्चरी पहुंचे परिजनों ने बताया कि उन्हें इनके संबंधों की कोई जानकारी नहीं थी और कभी इन लोगों ने इसकी चर्चा भी नहीं की थी। दो सिपाहियों की मौत की खबर पाकर पहुंचे परिजनों ने चुप्पी साधे रखी। उन्होंने इस मसले पर कुछ भी कहने से इन्कार कर दिया। साथ ही किसी तरह का आरोप-प्रत्यारोप भी नहीं किया। पुलिस का कहना है कि कोई तहरीर भी नहीं मिली है। पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद सिपाही राजेश के पिता गिरधारी लाल व भाई जीतेंद्र फूट-फूटकर रोते रहे। घटना की वजह के बाबत पूछने पर उन्होंने कुछ भी कहने से इन्कार कर दिया। राजेश तीन भाइयों में छोटा था। उधर, उसकी पतने नीतू भी बदहवास हाल में मोर्चरी पहुंची। पति का शव देखकर वह फूट-फूटकर रोई। उसने भी किसी तरह का कोई आरोप नहीं लगाया। उसके पिता हरिमोहन ने कहा कि जो होना था हो गया, अब कुछ कहने से क्या फायदा। इससे दामाद वापस तो नहीं आएगा। पोस्टमार्टम के बाद शव बाहर निकाला गया तो परिजनों की चीत्कार से कोहराम मच गया।उधर यह बात सामने आई है कि राजेश की पतने तीन दिन पहले ही उससे मिलकर वापस गई थी। सात अप्रैल को वह शहर आई थी और यहीं एक हफ्ते तक रुकी रही। तीन दिन पहले ही वह वापस गई। सूत्रों का यह भी कहना है कि दोनों के बीच पूर्व में विवाद हुआ था, जिसके बाद मामला मध्यस्थता केंद्र तक पहुंचा था। इहालांकि, बाद में दोनों में सुलह हो गई थी और वह एक-दूसरे के साथ रहने को तैयार हो गए थे। एक खास बात यह रही कि राजेश के पिता-भाई और पतने अलग-अलग मोर्चरी पहुंचे। पतने दोपहर में पहुंची जबकि पिता व भाई सुबह ही आ गए थे। सूत्रों का यह भी कहना है कि यही वजह रही कि राजेश के शव के पोस्टमार्टम में देरी हुई। अन्यथा उसका भी पोस्टमार्टम सुबह ही करा दिया गया होता। इससे पहले मोर्चरी पहुंचे प्रिया के परिजन भी बिलखते रहे। पिता अनूप कुमार तिवारी ने पुलिस को बताया कि वह बेटी के लिए रिश्ता खोज रहे थे। बेटी ने भी कभी नहीं बताया कि वह किसी बात से परेशान है।

आठ करोड़ का मालिक निकला आठ हजार कमाने वाला सफाईकर्मी, मिले अहम सुराग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद और अशरफ की बेनामी संपत्तियों का परत दर परत खुलासा हो रहा है। माफिया बंधुओं ने अपनी कुछ प्रॉपर्टी सफाई कर्मी के नाम लिखवाई थी। यह संपत्ति शहर के अलावा फूलपुर इलाके में भी हैं। पुलिस को इसकी जानकारी मिली है। अतीक-अशरफ की बेनामी संपत्तियों के लिए आठ हजार महीने कमाने वाले जिस सफाईकर्मी के नाम का इस्तेमाल किया गया, वह आठ करोड़ की संपत्ति का मालिक निकला। उसके नाम नैनी, फूलपुर

व हंडिया तहसील में बेशकीमती जमीनों का बैनामा कराए जाने के सबूत पुलिस के हाथ लगे हैं। फिलहाल, पांच जमीनों के बारे में पता चला है। पुलिस इन संपत्तियों की जांच में जुट गई है। एक दिन पहले ही नवाबगंज के करोली निवासी इस सफाईकर्मी श्याम जी सरोज का नाम तब चर्चा में आया, जब उसने माफिया भाइयों के चार करीबियों पर मुकदमा दर्ज कराया। आरोप लगाया कि इन चारों ने अतीक-अशरफ की बेनामी संपत्तियों का बैनामा उसके नाम पर कराया। उसे बंधक बनाकर जबरन दस्तखत करवाए गए और दोनों की मौत के बाद उक्त संपत्तियों का बैनामा करने का दबाव भी बनाया गया।

आधुनिक
गेस्ट हाउस

- वाटर प्रूफ शेड
- पार्किंग की सुविधा
- मन्दिर की सुविधा
- सी.सी.टीवी.
- छोटे-बड़े कार्यक्रमों के अलग-अलग रेट
- 45000 sq. feet. एरिया
- हरे-भरे वातावरण
- AC कमरा (VIP)

CALL: 9519313894,9415608783, 9415608710
आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औधोगिक थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औधोगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज

हिमांगी किन्नर बाए-बाए वाराणसी में लगे नारे, जानें- क्या है मामला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। किन्नर समुदाय के लोगों ने हिमांगी को वाराणसी लोकसभा सीट से चुनाव न लड़ने की बात कही है। इसको लेकर उन लोगों ने धरना-प्रदर्शन किया है।वाराणसी के जिला मुख्यालय

पर गुरुवार को किन्नर समुदाय के लोगों ने प्रदर्शन किया। इन लोगों ने किन्नर हिमांगी को वाराणसी से भगाने की अपील की।हाथ में पोस्टर लेकर किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी के आह्वान पर किन्नर समुदाय मुख्यालय पर इकट्ठा हुआ था। पोस्टर पर लिखा हुआ था हिमांगी नहीं ढोंगी है। काशी में आए-हाए... हिमांगी किन्नर बाए-बाए। इस दौरान किन्नर समुदाय के दर्जनों लोग मौजूद रहे।

हम सबने ठाना है, जल को बचाना है पानी संरक्षण की ली गई शपथ; डोर-टू-डोर की जाएगी अपील

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। पानी की कमी आए दिन होती आ रही है। गर्मियों में पानी की दिक्कत और भी बढ़ जाती है। इसको लेकर जागरुकता कार्यक्रम किया गया था। इस दौरान छात्राओं को पानी बचाने की अपील के साथ तरीके भी बताए गए।तेजी से गिरते जा रहे भूजल स्तर, दैनिक कार्यों में पानी की कमी, जरूरत के हिसाब से पानी का इस्तेमाल और व्यर्थ में इसकी बर्बादी के प्रति जागरूकता को लेकर भैरवनाथ स्थित श्री वल्लभ विद्यापीठ बालिका इंटरमीडिएट कॉलेज में सुबह-ए-बनारस क्लब के बैनर तले जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों ने पानी की बर्बादी न करने की अपील की गई। कार्यक्रम में श्री स्वामीनारायण मंदिर के महंत स्वामी संत श्री प्रेम स्वरूप दास ने कहा कि इस अपील को आगे बढ़ाने हेतु डोर-टू-डोर अपील के करने की जरूरत है। लक्ष्मी हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक कुमार राय के साथ संस्था के अध्यक्ष मुकेश जायसवाल, प्रधानाचार्य डॉ. मुक्ता पांडे, कोषाध्यक्ष नंद कुमार 'टोपी वाले' के नेतृत्व में पानी बचाने के लिए शपथ दिलाई गई।

सीएम योगी ने हनुमत प्राण प्रतिष्ठा व रुद्र महायज्ञ का किया शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

गोरखपुर। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार

सुबह गोरखनाथ मंदिर में श्री हनुमत प्राण प्रतिष्ठा एवं रुद्र महायज्ञ का विधि विधान से शुभारंभ किया। प्रभु हनुमान की नव्य मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा 21 अप्रैल को होगी जबकि रुद्र महायज्ञ की पूर्णाहुति 22 अप्रैल को होगी। इस दौरान आज से पूर्णाहुति तक विविध प्रकार के पूजन, अधिवास व अनुष्ठान के कार्यक्रम चलते रहेंगे। 18 अप्रैल, गुरुवार से 22 अप्रैल तक होने वाले रुद्र महायज्ञ का शुभारंभ गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्य दरवाजे पर पूजन करते हुए मंडप प्रवेश किया। इसके बाद वैदिक मंत्र उच्चारण के बीच वेदी का पूजन हुआ। हनुमत प्राण प्रतिष्ठा 22 अप्रैल को देवालय में की जाएगी यज्ञ गुरुवार शाम से ही शुरू हो जाएगा। इसके पहले गाजे बाजे के साथ गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ की अगुवाई में बड़ी संख्या में महिलाओं ने पूजन के बीच भीम सरोवर से यज्ञ कलश में जल भरा। भीम सरोवर की परिक्रमा करने के बाद कलश यात्रा यज्ञशाला पहुंची जहां विभिन्न स्थलों पर यज्ञ कलश को विराजमान करवाया गया यहां से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कमान संभालते हुए मुख्य दरवाजे पर पूजा अर्चना के बाद यज्ञशाला के मंडप में प्रवेश किया।

शौच करने गए युवक की ट्रेन से कटकर मौत, 12 दिन पहले गई थी भाई की जान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। ग्याहर दिन के अंदर दो भाइयों की मौत से परिजनों के साथ पूरा गांव गमगीन हो गया। घर पर तेरहवीं की तैयारी चल रही थी। इसी दौरान एक और परिजन की मौत पर परिवार दहाड़ मारकर रोने लगा। 12 दिनों पूर्व बड़े भाई का हार्ट अटैक से मौत हो गया था। जिसकी 19 अप्रैल को तेरहवीं है।भदोही के गोपीगंज कोतवाली क्षेत्र के ककराही रेलवे फाटक के पास पूर्वी छोर पर ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। युवक के भाई की 12 दिन पहले ही मौत हो गई थी। घर में उसके तेरहवीं की तैयारी चल रही थी। गुरुवार को दूसरे भाई की भी मौत हो गई। चील्ह थाना क्षेत्र के अनिरुद्धपुर गांव निवासी वीरेंद्र शुक्ला (40) पुत्र अमरनाथ अपने बाइक स्प्लेंडर से गोपीगंज निकले थे। ककराही पहुंचने के बाद वे रेलवे गेट के पास रूके ओर एक चाय-पान की दुकान के पीछे खड़ी कर हाथ मे पानी का बोतल लेकर शौच के लिए निकले थे।बताया जा रहा है इसी दौरान वह किसी ट्रेन की चपेट में आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मौत की सूचना पर पहुंची पुलिस बाइक के नंबर से मृतक की पहचान करके परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने बताया 12 दिनों पूर्व बड़े भाई का हार्ट अटैक से मौत हो गया था। जिसकी 19 अप्रैल को तेरहवीं है।

31,538 युवाओं की अंगुली पर पहली बार लगेगी चुनावी स्याही, जानें- अन्य वोटरों का संख्या

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। पहली बार मत प्रयोग को लेकर युवाओं में काफी उत्साह है। वाराणसी संसदीय सीट में पांच विधानसभा क्षेत्र रोहनिया, सेवापुरी, शहर दक्षिणी, शहर उत्तरी और कैंट हैं। चुनाव के बाद ही पता चलेगा कि इनका रुझान किस पार्टी की ओर रहा। फिलहाल विकास के मुद्दों पर तरह-तरह की चर्चाए हो रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय सीट पर अंतिम चरण में एक जून को वोट पड़ेंगे। इस बार चुनाव में कुल 19,62,948 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 31,538 ऐसे युवा मतदाता हैं जो पहली बार लोकसभा के चुनाव में वोटर होंगे। वाराणसी संसदीय क्षेत्र में 25,984 ऐसे मतदाता हैं, जिनकी उम्र 80 साल या उससे अधिक है। इस सीट पर

10,65,485 पुरुष और 8,97,328 महिला मतदाता हैं। थर्ड जेंडर वोटर्स की संख्या 135 है। वाराणसी संसदीय सीट में पांच विधानसभा क्षेत्र रोहनिया, सेवापुरी, शहर दक्षिणी, शहर उत्तरी और कैंट हैं। निर्वाचन आयोग की ओर से जारी आंकड़ों की बात करें तो रोहनिया विधानसभा क्षेत्र में 4,12,612 मतदाता हैं। इनमें पुरुष मतदाता 2,26,220 और महिला मतदाता 1,86,365 हैं। थर्ड जेंडर वोटर 27 हैं। इसी प्रकार सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र में 1,91,259 पुरुष और 1,63,034 महिला वोटर्स है। यहां थर्ड जेंडर वोटर्स की संख्या 20 है। इस प्रकार इस विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 3,54,323 है। उधर, शहर दक्षिणी में कुल 3,11,213 मतदाता हैं। इनमें पुरुष 1,70,068, महिला 1,41,118 और थर्ड जेंडर 27 हैं। वहीं शहर उत्तरी विधानसभा में कुल 4,31,051 मतदाता हैं। इनमें पुरुषों की संख्या 2,34,182 और महिला वोटरों की संख्या 1,96,826 है। यहां सबसे अधिक 43 थर्ड जेंडर वोटर्स हैं। वाराणसी संसदीय क्षेत्र में सर्वाधित मतदाता कैंट विधानसभा में हैं। इनकी कुल संख्या 4,53,749 है। यहां 2,43,746 पुरुष और 2,09,985 महिला मतदाता हैं। यहां सबसे कम केवल 18 थर्ड जेंडर वोटर हैं।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर एण्ड सेफ्टी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
फायर सेफ्टी मैनेजमेन्ट कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन इंजिनियर, सिस्टम सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी मैनेजमेन्ट के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
महानिदेशक अग्निशमन सुरक्षा एवं आपात सेवा उत्तर प्रदेश
★C.O.P.A. ★Electrician ★Fire Safety & Industrial Security ★Computer Hardware & Maintenance
★Fitter ★Computer Application
★Security Service ★Repair of Refrigerator & A.C. ★Computer Teacher Training ★Welding Technology
★Electric Technician ★Certificate in YOGA
Message
नन्दी गोपाल गुप्ता 'नन्दी'
मंत्री
स्टाम्प न्यायालय शुल्क, पंजीयन एवं नागरिक उड्डयन विभाग
उत्तर प्रदेश
मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि आपकी संस्था "नैनी आद्यौगिक प्रशिक्षण केन्द्र" द्वारा विगत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी "प्रवेश विथिर्जिका" नाम की पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। पत्रिका छात्र / छात्राओं में चेतना, सृजनात्मक शक्ति, बौद्धिक क्षमता एवं उनकी वैचारिक एवं मानसिक अभिव्यक्ति को प्रदर्शित करने में अवश्य सार्थक सिद्ध होगी।
संस्था द्वारा प्रकाशित होने वाली पत्रिका " प्रवेश विथिर्जिका" के सफल प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं!
भवदीय
नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी'
Nand Goapal Gupta
नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी'
मंत्री
N.C.V.T. D.G.E.T से मान्यता प्राप्त
फिटर
आसान किस्तों में फीस जमा करने की सुविधा
COPA
छात्रवृत्ति की सुविधा
100% प्लेसमेंट की गारंटी
अप्रेन्टिशिप की सुविधा
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

पेड़ पर लटका मिला मजदूर का शव, पानी टंकी के निर्माण में लगी थी ड्यूटी पहुंची पुलिस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। मजदूर की लाश मिलने से गांव के लोग मौके पर दौड़ पड़े। इसी दौरान पुलिस ने परिजनों को भी सूचना दी। अर्जुन गांव में ही

बन रहे पानी टंकी निर्माण के लिए काम कर रहा था। सुबह उसकी लाश देख सनसनी फैल गई।आजमगढ़ के अहरौला थाना अंतर्गत अतरडीहा गांव से गुजरी ओंगरी नदी के किनारे गुरुवार की सुबह एक मजदूर का शव जंगली पेड़ से गमछे के सहारे लटकता मिला। ग्रामीणों ने शव देखा तो सूचना पुलिस को दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतरवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।अतरडीहा गांव में इन दिनों नल से जल योजना के तहत पानी की टंकी का निर्माण चल रहा है। इस निर्माण कार्य में शाहजहांपुर जिले के जलालपुर थाना अंतर्गत चंदौना गांव निवासी अर्जुन जाटव (28) बतौर मजदूर काम कर रहा था। गुरुवार की सुबह ग्रामीण नदी किनारे शौच के लिए गए तो अर्जुन का शव एक पेड़ से गमछे के सहारे लटकता देखा। ग्रामीणों की सूचना पर अहरौला थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को फंदे से उतरवा कर पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेज दिया। एसओ अहरौला सुनील कुमार दुबे ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। परिजनों के आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस भर्ती परीक्षा में एसटीएफ ने की बड़ी गिरफ्तारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

गोरखपुर। पुलिस भर्ती एवं पदोनन्ति परीक्षा में सॉल्वर को सीट

तक पहुंचाने में मददगार बने बायोमीट्रिक कंपनी के मैनेजर आकाश राव को मंगलवार की रात में एसटीएफ ने धर्मशाला पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि एक अभ्यर्थी के बदले लाखों रुपये में सौदा तय हुआ था। एक अभ्यर्थी के पास होने पर उसे पांच से दस लाख रुपये मिलते। इसकी ही मदद से एक अभ्यर्थी दुर्गेश यादव दिग्विजयनाथ डिग्री कॉलेज गेट पर गार्ड की ड्यूटी करते हुए भी पकड़ा गया था। तभी से यह फरार चल रहा था। आरोपी को कोतवाली थाने में दाखिल कराया गया है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया पकड़ा गया आरोपी आकाश राव एम्स इलाके के रुद्रापुर पासी टोला कुसम्ही बाजार निवासी है। एसटीएफ के मुताबिक, उत्तर प्रदेश भर्ती एवं प्रोनन्ति बोर्ड की ओर से आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस-2023 की सीधी भर्ती की ऑफलाइन लिखित परीक्षा में अभ्यथियों से मोटी रकम लेकर पेपर आउट कराने का प्रयास कराने वालों पर केस दर्ज है।

थाना हलिया पुलिस द्वारा शातिर गो-तस्कर गिरफ्तार, पिकअप पर क्रूरता पूर्वक बांधकर वध हेतु ले जाए जा रहे 09 राशि गोवंश बरामद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मीरजापुर। अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान तथा गो-तस्करों की गिरफ्तारी व उनके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में आज दिनांकः17.04.2024 को

थाना हलिया पुलिस को जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि ड्रमण्डगंज की तरफ से कुछ गो-तस्कर पिकअप में क्रूरता पूर्वक गोवंशो को लादकर वध हेतु ले जा रहे हैं । उक्त सूचना पर थाना हलिया पुलिस टीम द्वारा ड्रमण्डगंज बार्डर बह्द ग्राम महुगढ़ समौती के पास से सघन चेकिंग कर पिकअप सवार एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया । जिसके द्वारा पूछताछ में अपना नाम-पता हनुमान पुत्र हिंचलाल निवासी तिखोर थाना लालगंज जनपद मीरजापुर बताया गया । पुलिस टीम द्वारा पिकअप वाहन की तलाशी ली गई तो पिकअप में क्रूरता पूर्वक बांधकर लदे हुए कुल 09 राशि गोवंश(05 राशि बैल, 03 राशि गाय व 01 राशि बछड़ा) बरामद हुए । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना हलिया पर मु0अ0सं0- 43/2024 धारा 3/5ए/8 गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम पंजीकृत कर गिरफ्तार अभियुक्त को जेल भेजा गया तथा अन्य सह अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु सम्भावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है। गो-तस्करी में प्रयुक्त पिकअप वाहन संख्याःळझ67ऊ1380 को अन्तर्गत धारा 207 एमवी एक्ट में सीज कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा गई । गिरफ्तार अभियुक्त हनुमान उपरोक्त द्वारा पूछताछ में बताया गया कि वह अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर सड़क के किनारे जगह-जगह बैठे गोवंशो को पकड़ कर जोडे-जोडे में बांधकर पिकअप में लादकर बिहार के रास्ते वध हेतु पश्चिम बंगाल ले जा रहा था कि पकड़ा गया।

मेला क्षेत्र का निरीक्षण व्यवस्थाओं के बारे में ली जानकारी, सम्बन्धित का दिया आवश्यक दिशा निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मीरजापुर। विन्ध्याचल नवरात्र मेला में अष्टमी के दिन जिलाधिकारी ने कन्याओं को वितरित किया फल एन0आर0एल0एम0 समूह की महिलाओं के द्वारा "चलो हम सब मिलकर करे मतदान चलें मतदान करे गीत प्रस्तुत कर मतदाताओं को किया जागरूक मीरजापुर 16 अप्रैल 2024- जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने नवरात्र मेला विन्ध्याचल में अष्टमी के दिन मेला क्षेत्र का भ्रमण कर निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने परिक्रमा पथ एवं मुख्य मार्गो का निरीक्षण सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। जिलाधिकारी द्वारा विन्ध्याचल परिसर पर पहुंचकर कन्या व बच्चों को फल का भी वितरण किया गया। रोडवेज परिसर विन्ध्याचल में जिला निर्वाचन अधिकारीध्जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के निर्देश के क्रम में जनपद में मतदान प्रतिशत को बढ़ाने तथा

आने वाले श्रद्धालुओं को भी अपने मताधिकार के महत्व एवं मतदान करने के प्रति मुख्य विकास अधिकारीध्प्रभारी अधिकारी स्वीप विशाल कुमार के मार्ग निर्देशन में चलाये जा रहे मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम में लोकगायक जटांशकर के द्वारा अपने गीतो के माध्यमक से एक जून को अपने बूथ पर जाकर मतदान करने के प्रति अपील की गयी। इसी क्रम में लोकगायक बद्री कवि तथा पतालू व उनकी टीम के द्वारा मतदान प्रतिशत 75 प्रतिशत प्लस करने हेतु सभी मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के प्रति गीतो के माध्यम से जागरूक करते हुये अपील की गयी। उन्होने अपने लोकगीत के माध्यम से आगामी एक जून को अपने बूथ पर सबसे पहले पहुंचकर मतदान करने के प्रति संदेश दिया गया। इसी प्रकार समूह की महिलाओं के द्वारा मतदाता जागरूकता "चलो हम सब मिलकर करे मतदान करे चल मतदान करे..." गीत व मतदाता कजरी गीत प्रस्तुत कर लोगो को मतदान के प्रति जागरूक किया गया। तो वही विभिनन विकास खण्डो के ग्राम पंचायतो में भी मतदाता जागरूकता कार्यक्रम से सम्बन्धित रैली निकालकर एक जून को अपना वोट अवश्य डालने के लिये लोगो से अपील किया गया। रोडवेज में आयोजित कार्यक्रम में उपायुक्त एन0आर0एल0एम0 अनय मिश्रा, परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 अजय प्रताप सिंह, जिला सूचना अधिकारी ओम प्रकाश उपाध्याय उपस्थित रहें।

थाना राजगढ़ पुलिस द्वारा गांजा तस्कर गिरफ्तार, 2.450 किग्रा अवैध गांजा बरामद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मीरजापुर। थाना राजगढ़ क्षेत्र से मोटरसाइकिल सवार एक अभियुक्त दीपू करवल पुत्र राजू करवल निवासी राजगढ़ कंजड़ बस्ती थाना राजगढ़ जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त उपरोक्त के पास से 2.450 किग्रा अवैध गांजा बरामद हुआ । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना राजगढ़ पर मु0अ0सं0- 62/2024 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया तथा गांजा तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल वाहन संख्याःळझ64ल978 को अन्तर्गत धारा 207 एमवी एक्ट में सीज किया गया।

नगर में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मीरजापुर। पूरा नगर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव पर भगवा रंग में रंगा रहा। नगर में प्रदेश का विशाल शोभायात्रा पूरी शानों शौकत के साथ निकाला गया। यात्रा में भगवा परिधान और पगड़ी बांध कर युवाओं और महिलाओं का जत्था पूरे माहौल को भक्तिमय बना रहा था। जय जय श्रीराम की गूंज से नगर गूंजायमान रहा। शोभा यात्रा में पड़ोसी जनपद से डीजे, ताशा और झांकिया भी शामिल हुई। विंध्य धाम में नौ दिन शक्ति की साधना करने वाले भक्त नवमी पर राम जन्मोत्सव पर राम की भक्ति में मगन रहे। नगर के प्रमुख मार्गो को भगवा पताका से सजाया गया था। नगर के संगमोहाल, तेलियागंज , पक्की सराय, घंटाघर, गुड़ हट्टी चौराहा, मुकेरी बाजार आदि प्रमुख चौराहों पर बज रहे डी जे से नगर राम भक्ति में सराबोर रहा। हर मोहल्ले में साउंड बाक्स लगाने की होड़ रही। लाउड स्पीकरों पर बज रहे भजन भगवान श्रीराम का गुणगान कर रहे थे। भक्ति गीतों की गूंज से पूरा नगर राममय हो गया । विशाल शोभायात्रा संगमोहाल हनुमान मन्दिर से विश्व हिंदू परिषद के पूर्व जिला मंत्री कार्यक्रम के संरक्षक और बजरंग दल के पूर्व जिला संयोजक कार्यक्रम के प्रभारी के

नेतृत्व में शोभायात्राआरम्भ हुई । जो कटरा कोतवाली, कच्ची सड़क, रतनगंज, तेलियागंज, डंकीनगंज चौराहा, पक्की सराय, घंटाघर, बसनहीं बाजार, धुन्धी कटरा, गुड़हट्टी चौराहा, मुकेरी बाजार, लालडिग्गी, गणेशगंज भैंसहिया टोला होते संगमोहाल हनुमान मंदिर पर जाकर सम्पनन हुई। शोभायात्रा में भगवा ध्वज लहराते हुए युवाओं का विशाल समूह चल रहा था । सिर पर पगड़ी, माथे पर तिलक और जुबां पर जय श्रीराम का उद्घोष नगर को राममय बना रहा था। विभिनन स्थानों पर राम भक्तों के लिए लोगों ने स्वेच्छा से स्टाल लगाकर फलाहार, शर्बत और पानी का वितरण किया। जगह जगह स्वागत द्वार बनाया गया था। शोभायात्रा में मिर्जापुर जनपद के अलावा प्रयागराज सोनभद्र वाराणसी और भदोही के डीजे वाहन शामिल हुए । समिति के अध्यक्ष विवेक बरनवाल ने भक्तों का स्वागत किया। कहा कि राम भक्तों की आस्था के चलते आज प्रभु श्रीराम टाट से निकल कर ठाठ से अपने आलय में विराजमान है। यात्रा प्रभारी रवि शंकर साहू ने कहा कि चन्द लोगों के साथ शुरू हुई यात्रा आज प्रदेश की भव्य यात्रा में शामिल है। इसके लिए युवाओं के उत्साह और अपने संस्कार संस्कृति के प्रति समर्पण के भाव को नमन किया। इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र शुक्ल, शिखा अग्रवाल, आदि ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। शोभायात्रा का नेतृत्व समिति प्रभारी रविशंकर साहू, प्रांजल सिंह, मनोज दमकल, विश्व हिंदू परिषद के प्रांत के उपाध्यक्ष विद्याभूषण दुबे जी शिखा अग्रवाल दीपा उम्र गुंजन गुप्ता राज माहेश्वरी,बजरंग दल संयोजक प्रवीण मौर्य, सह संयोजक शिवांशु सिंह, सुरक्षा प्रमुख गोपाल केसरवानी, सह सुरक्षा प्रमुख पवन उमर, विशाल मालवीय एवं राहुल दुबे आदि हजारों की संख्या में राम भक्त उपस्थित थे।

युवक पर पेट्रोल छिड़क कर लगा दी आग, बकाया पैसा मांगा तो मनबढ़ों ने दिखाई हैवानियत; हालत गंभीर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। युवक द्वारा खुद पर पेट्रोल उड़ेलकर आग लगाने की घटना से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया।

सोनभद्र के दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के धनौरा गांव में बकाया पैसा मांगने पर युवक को पेट्रोल छिड़ककर जिंदा जलाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। गंभीर रूप से झुलसे युवक को जिला अस्पताल से ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया गया है। झुलसे युवक ने वारदात में तीन लोगों का नाम भी लिया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।मप्र के बैढ़न थाना क्षेत्र निवासी युवक (35) पिछले कई वर्षों से दुद्धी के धनौरा गांव में रहता था। उसे गंभीर रूप से झुलसे हाल में दुद्धी सीएचसी लाया गया, जहां से डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में भी प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने वाराणसी रेफर कर दिया। युवक का शरीर 80 फीसदी से अधिक जल गया है। अस्पताल में पूछताछ में उसने बताया कि उसने कन्हैया, बब्बन और वीरेंद्र को पैसा दिया था। जब उसने बकाया पैसा की मांग की तो इनकार करने लगे। गुरुवार की सुबह आरोपियों ने उसे पेट्रोल छिड़ककर जला दिया। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि युवक की हालत गंभीर है। मामले की छानबीन की जा रही है। जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

डीजे बजाने के विवाद में चटकी लाठियां, महिला समेत पांच घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
पन्नूगंज। थाना क्षेत्र के पकरहट गांव में मंगलवार की रात बरात में

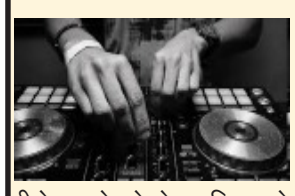

डीजे बजाने को लेकर विवाद हो गया। मारपीट में दोनों पक्षों से सगे भाइयों समेत पांच लोग घायल हुए। सभी का पीएचसी चतरा में उपचार कराया गया।मंगलवार की रात गांव में संतोष पटेल के घर बरात आई थी। इसी में डीजे बजाने को लेकर गांव के ही दो पक्षों में विवाद हो गया। कहासुनी के बाद दोनों पक्षों से लाठियां निकल आईं। जमकर हुई मारपीट में एक पक्ष से धीरज पटेल (27), उसका भाई नीरज (22), राजू (25), उर्मिला देवी (40) और दूसरे पक्ष से आलोक (22) को चोट आई। मौके पर पहुंची पन्नूगंज पुलिस ने सभी का इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चतरा में कराया। मामले में दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

लोकसभा चुनाव 2024 के मेनिफेस्टो, भाजपा का संकल्प जारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मीरजापुर। भाजपा जिला कार्यालय बरौंधा कचार मीरजापुर के प्रेस सभागार में भाजपा जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह की अध्यक्षता में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया

। यह वार्ता भारतीय जनता पार्टी के आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के मेनिफेस्टो, भाजपा का संकल्प ङ्घमोदी की गारंटीङ्घ के संदर्भ में आयोजित किया गया । जिसमें मुख्य अतिथि / मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) / मीरजापुर क्लस्टर प्रभारी दयाशंकर मिश्रा दयालु वार्ता करते हुए कहा कि मोदी सरकार जो भी पिछले 2019 लोकसभा चुनाव में अपने संकल्प पत्र में जो घोषणा किया था, उसे आज 05 वर्षों में पूरा किया और आज 2024 में जो संकल्प पत्र की घोषणा कर रहे उसे भी अगले 05 वर्षों में पूरा करेंगे । यही मोदी की गारंटी है । मुख्य वक्ता ने यह भी बताया कि कल देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे0 पी0 नड्डा, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भाजपा का संकल्प, मोदी की गारंटी का लोकार्पण किया, जो कि संकल्प पत्र के रूप में जारी घोषणा पत्र में किये गये सभी वादों पर मोदी की गारंटी की मुहर लगी है । भाजपा ने अबकी बार 400 पार के मिशन को पूरा करने के लिए मोदी सरकार की पिछले 10 वर्ष की जनकल्याणकारी योजनाओं पर भरोसा जताया है और इसके विस्तार का वादा किया । जाँच एजेंसियों के दुरुपयोग के विपक्ष के आरोप को खारिज करते हुए, भाजपा ने साफ कर दिया कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्यवाही जारी रहेगी । और इसमें नई तकनीक का उपयोग किया जायेगा । देश में बुजुर्गों की बढ़ती संख्या और उनकी परेशानियों को देखते हुए भाजपा ने 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी नागरिकों को आयुष्मान भारत में शामिल करते हुए उन्हें सालाना 05 लाख रुपये तक का मुफ्त और कैशलेस इलाज देने का वादा किया है। साथ में उन्होंने यह भी बताया कि स्वरोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में मुद्रा और स्वनिधि योजनाओं की सफलता को देखते हुए सरकार ने इसका विस्तार करने का वादा किया । मुद्रा योजना में अब 10 लाख की जगह बिना गारंटी 20 लाख रुपये तक कर्ज दिया जाएगा । इसी प्रकार से रेहड़ी पटरी ठेला वालों को 50 हजार रुपये तक कर्ज देने वाली स्वनिधी योजना का विस्तार छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों में फूड प्रोसेसिंग यूनिट बड़ी संख्या में लगाने का वादा भी किया है। सोशल, डिजीटल और फिजिकल तीनों क्षेत्रों में आधारभूत संरचनाओं के निर्माण में बताया बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली भाजपा ने इसकी गति और तेज करने का वादा किया है । नये शिक्षण संस्थाओं का निर्माण, 5-जी के विस्तार और 6-जी के तैयारी के साथ ही सर्विस सेंटरों व टेलीमेडिसिन का विस्तार साथ में सड़क, रेल, जलमार्ग के नेटवर्क को विस्तार के साथ अत्याधुनिक बनाया जायेगा । शहरीकरण की रफ्तार को देखते हुए नये - नये सेटेलाइट, टाउनशिप बनाये जायेंगे । भारतीय जनता पार्टी ने भाजपा को दुनिया भर के उभरते क्षेत्रों का ग्लोबल हब बनाने का वादा किया है । साथ में फसलों के लिए एम0एस0पी0 बढ़ाना, कृषि गतिविधियों के एक स्वदेशी भारत कृषि उपग्रह लांच करना, सभी सामाजिक सुरक्षा योजना में ऑटो रिक्शा, ट्रक, टैक्सी चालकों और अन्य चालकों को शामिल करना , नागरिकता संशोधन अधिनियम को लागू करना एक राष्ट्र एक चुनाव को हकिकत बनाना के बारे में बताया। साथ में उन्होंने बताया कि सरकारी सेवाओं में भर्ती के लिए पारदर्शी प्रणाली बनेगी पेपर लीक को रोकने के लिए कानून का क्रियान्वयन किया जायेगा, भाजपा का संकल्प पत्र महिला, गरीब,युवा, महिला एवं किसान को समर्पित करते हुए 2047 तक विकसित भारत की नींव रखने वाला साबित होगा ।गरीबों के लिए आवास योजना के तहत 3 करोड़ और नए घर बनाने का लक्ष्य, फ्री बिजली और 5 साल तक मुफ्त राशन की व्यवस्था जारी रहेगी । तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने की गारंटी, किसान सम्मान निधि की राशि भी बढ़ाएंगे, बुलेट ट्रेन का विस्तार करेंगे, वुमेन हेल्प ग्रुप को सर्विस सेक्टर से जोड़कर महिलाओं की आय बढ़ाएंगे, भ्रष्टाचार पर कार्रवाई और तेज करेंगे । के साथ - साथ घोषणा पत्र के प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से चर्चा किया ।

मिलने के बहाने बुलाकर युवक का अपहरण, हत्या की थी तैयारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। युवक का अपहरण कर उसकी हत्या की साजिश रच रहे प्रेमी जोड़े समेत तीन को पिपरी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उनकी चंगुल से अपहृत युवक को भी मुक्त कराया है। वारदात में शामिल महिला ने अपने परिचित युवक को मिलने का झांसा देकर दुद्धी बुलाया और फिर रास्ते से उसका अपहरण कर बंधक बना लिया। पुलिस ने दावा किया महिला के प्रेमी को यह पसंद नहीं था। समझाने के बाद भी युवक ने बातचीत बंद नहीं की तो आरोपियों ने यह साजिश रची।मामला रेणुकूट की हिंडाल्को कॉलोनी का है। पिपरी सीओ अमित कुमार ने बताया कि हिंडाल्को कॉलोनी निवासी बृजेश पांडेय 15 अप्रैल की शाम तिलकोत्सव में शामिल होने के लिए दुद्धी जाने की बात कह घर से निकला था। इसके बाद से उसका पता नहीं चला। काफी खोजबीन के बाद पतने कुसुम पांडेय ने मंगलवार को पुलिस को तहरीर देकर पति के अपहरण की आशंका जताई। केस दर्ज कर पुलिस ने छानबीन शुरू की। पिपरी एसओ राजेश सिंह व रेणुकूट चौकी प्रभारी कमल नयन दुबे के नेतृत्व में दो टीमें गठित की गई। पुलिस ने सर्विलांस से बृजेश के मोबाइल फोन के कॉल डिटेज को खंगाला तो दुद्धी के डुमरडीहा गांव निवासी प्रतिभा मिश्रा की भूमिका संदिग्ध मिली। प्रतिभा को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो पूरा मामला सामने आया। डुमरडीहा गांव से पुलिस ने अपहृत युवक बृजेश को मुक्त कराते हुए प्रतिभा, उसके प्रेमी दुद्धी निवासी राजा सिंह उर्फ राजा बाबू और विकास वर्मा को गिरफ्तार कर लिया। सीओ ने बताया कि बृजेश की प्रतिभा से नजदीकी थी। दोनों में फोन पर बातचीत होती थी। प्रतिभा के प्रेमी राजा बाबू को यह पता चला तो उसने नाराजगी जताई। इसके बाद प्रतिभा ने बृजेश को बातचीत से मना किया, लेकिन वह नहीं माना। इस पर प्रतिभा और राजाबाबू ने मिलकर उसे रास्ते से हटाने की योजना बनाई। प्रतिभा ने धोखे से मिलने के बहाने बृजेश को दुद्धी बुलाया। रास्ते में ही उसका अपहरण कर लिया और उसे डूमरडीहा ले गए।

विकास कार्य एनटीपीसी सिंगरौली की प्रथम प्राथमिकता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। एनटीपीसी सिंगरौली द्वारा चिल्काडांड ग्राम में ग्रामवासियों

से विकासात्मक सुझाव प्राप्त करने एवं विकास कार्यों में सहभागिता स्थापित करने के लिए दिनांक 16.04.2024 को विशेष बैठक आयोजित की गई जिसमें एनटीपीसी की ग्राम विकास संबंधी योजनाओं से ग्राम वासियों को अवगत कराया गय एनटीपीसी सिंगरौली योजनबद्ध तरीके से शक्तिनगर विशेष क्षेत्र प्राधिकरण(साडा) के माध्यम से परियोजना प्रभावित गाँव में कार्य करने के लिए विशेष पहल कर रही है ताकि गांवों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सके।एनटीपीसी सिंगरौली द्वारा शक्तिनगर विशेष क्षेत्र प्राधिकरण(साडा) के माध्यम से कार्य करने के संबंध में प्रशासन से भी चर्चा की गई है ताकि सुचारु रूप से आवंटित कार्य को पूर्ण कराया जा सके बैठक को संबोधित करते हुए श्री सिद्धार्थ मंडल, मानव संसाधन विभाग प्रमुख ने कहा कि विकास कार्य एनटीपीसी सिंगरौली की प्रथम प्राथमिकता है जिसे सभी ग्रामवासी की सक्रिय सहभागिता से पूर्ण किया जाएगा।उन्होने एनटीपीसी सिंगरौली की ग्राम विकास संबंधी भावी योजना से ग्रामीण जनो को विस्तार से अवगत कराया बैठक के दौरान ग्रामवासियों द्वारा ग्रामीण विकास संबंधी विभिनन सुझाव दिए गए एवं सतत विकास पर ज़ोर दिया गया।बैठक के दौरान प्रधान श्री हीरा लाल एवं अन्य ग्रामीण जनो ने एनटीपीसी सिंगरौली के इस विशेष पहल का स्वागत किया एवं ग्रामीणों के मध्य वार्ता करने हेतु आभार व्यक्त किया ज्ञात हो कि एनटीपीसी सिंगरौली द्वारा सी एस आर योजना के तहत शिक्षा,स्वास्थ्य,आधारभूत संरचना,स्व-रोजगार के क्षेत्र में निरंतर कार्य किया जा रहा है जिससे ग्रामवासी सतत लाभान्वित हो रहे हैं बैठक सौहार्द पूर्ण वातावरण में आयोजित की गई जिसमें एनटीपीसी के वरिष्ठ अधिकारीगण , प्रबुद्ध ग्रामीण जन,प्रधान,पत्रकार बंधु आदि सम्मिलित हुए।

जिलाधिकारी ने तहसील मड़िहान का किया औचक निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मीरजापुर। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने आज दोपहर लगभग

एक बजे तहसील मड़िहान पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान तहसील परिसर में साफ सफाई, भवन की रंगाई पुताई का कार्य कराया जा रहा था, जिलाधिकारी ने परिसर में बने साइकिल स्टैण्ड, शौचालय, पुराने हवालात, खाद्य एवं रसद भवन सहित निर्माणाधीन नए हवालात का निरीक्षण किया। परिसर में पेयजल के बारे में जानकारी करने पर उप जिलाधिकारी मड़िहान युगांतर त्रिपाठी ने बताया कि परिसर में जल जीवन मिशन के तहत कनेक्शन किया गया है इसके अतिरिक्त टैंकर के माध्यम से भी पानी की आपूर्ति की जा रही है। उन्होने कहा कि बताया कि परिसर में मौसम की जानकारी प्राप्त करने के लिये भी यंत्र लगवाया गया है। उन्होने बताया कि पूरे परिसर की सफाई के साथ ही रंगाई पुताई का कार्य वर्तमान में चल रहा है। परिसर में में नए निर्माणाधीन हवालात को अपूर्ण देखकर जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग को तत्काल पूर्ण कराने का निर्देश दिया। अभिलेखो के निरीक्षण के दौरान ई-परवाना जारी न होने की जानकारी पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये दूरभाष पर मुख्य राजस्व अधिकारी सत्य प्रकाश सिंह से वार्ता निर्देशित किया कि ई-परवाना जारी होने के लिये जो भी व्यवस्थाए करनी हो स्वंय जांचकर तत्काल सुनिश्चित कराते हुये ई-परवाना जारी करने व्यवस्था कराए। निरीक्षण के दौरान संग्रह अभिलेख, सभाकक्ष, मतदान पंजीकरण, आपदा सहायता रजिस्टर एवं मुख्यमंत्री कृषक दुघर्टना रजिस्टर में पात्र आवेदनों के सापेक्ष भुगतान की स्थिति, दैवी आपदा में प्राप्त आवेदन के सापेक्ष भुगतान की स्थिति आदि के बारे में रजिस्टरों और पत्रावलियों को देखकर निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री कृषक दुघर्टना बीमा रजिस्टर में सितम्बर से अब प्रार्थना पत्रो को लम्बित होने पर तथा रजिस्टर पर विस्तृत जानकारी अपलोड न किये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुये रजिस्टर को बिन्दुवार भरने तथा जिस प्रार्थना पत्र के सापेक्ष भुगतान किया गया हो उस भुगतान किया जाना भी लिखा जाए। निरीक्षण के दौरान संग्रह अनुभाग सेवा पुस्तिका, जी0पी0एफ0, एन0पी0एस0 पासबुक, उप जिलाधिकारी न्यायिक कोर्ट, खतौनी काउंटर, आदि का भ्रमण कर निरीक्षण किया गया। दैवी आपदा एवं मुख्यमंत्री कृषक दुघर्टना बीमा खतौनी आदि को कम्प्यूटर में भी खोलकर स्थिति का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने सभी पटल सहायको को निर्देशित करते हुये कहा कि अभिलेखा व रजिस्टरों को दुरूस्त रखा जाए ताकि किसी भी निरीक्षण के समय स्थिति स्पष्ट हो सकें। उन्होने तहसील परिसर में पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था कराने तथा वाहनो को एक तरफ साइड में स्टैण्ड बनाकर खड़े करने का निर्देश भी दिया।

श्रीलंका के खिलाफ खेली 184 रन की उम्दा पारी, दक्षिण अफ्रीका के लिए रच दिया इतिहास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। श्रीलंका महिला टीम ने इतिहास रच दिया है। बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए वनडे मैच को श्रीलंका ने 6 विकेट से जीत लिया। इसी के साथ तीन मैचों की सीरीज में श्रीलंका ने 1-1 की बराबरी कर ली दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम के सेनवेस पार्क में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका टीम ने 302 रन बनाए। मेजबानी टीम की कप्तान लॉरा वुलफार्ट ने 147 गेंदों पर 184 रन की पारी खेली। बता दें कि साउथ अफ्रीका में बनाया गया उनका ये सबसे सर्वाधिक रन है। इससे पहले 2017 में आयरलैंड के खिलाफ उन्होंने 149 रन की पारी खेली थी। दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम के सेनवेस पार्क में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका टीम ने 302 रन बनाए। मेजबानी टीम की कप्तान लॉरा वुलफार्ट ने 147 गेंदों पर 184 रन की पारी खेली। बता दें कि साउथ अफ्रीका में बनाया गया उनका ये सबसे सर्वाधिक रन है। इससे पहले 2017 में आयरलैंड के खिलाफ उन्होंने 149 रन की पारी खेली थी वोल्वाड्र्ट का 184 रन महिला वनडे में चौथा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर भी है। वोल्वाड्र्ट ने दक्षिण अफ्रीकी महिलाओं के लिए वनडे में एक पारी में बाउंड्री लगाकर सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। वोल्वाड्र्ट ने 23 चौकों और 4 छक्कों की मदद से लिजेल ली का रिकॉर्ड तोड़ दिया। श्रीलंका ने किया कमाल मैच की बात करें तो साउथ अफ्रिका टीम ने 302 रन बनाए। कप्तान लॉरा वुलफार्ट ने 147 गेंदों पर 184 रन की पारी खेली। श्रीलंका की ओर से कविशा दिलहारी ने दो विकेट झटके। वहीं, इस लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीका टीम 44. 3 ओवर में मैच को जीतने में कामयाब रही। श्रीलंका की ओर से कप्तान चमारी अटापट्टू ने शानदार 139 गेंदो पर 195 रन की पारी खेली। चामरी ने 139 गेंद का सामना किया और 26 चौके व पांच छक्के लगाए। बता दें कि श्रीलंका की महिला टीम की ओर से वनडे की इतिहास में बनाए गए ये सबसे सर्वाधिक रन है।

गुजरात के तेज गेंदबाज मोहित शर्मा का दावा, कहा- इंपैक्ट प्लेयर नियम आने के बाद गेंदबाजा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कई फ्रेंचाइजियों और भारतीय टीम में खेल चुके तेज गेंदबाज मोहित शर्मा 35 वर्ष की उम्र में गुजरात टाइटंस के लिए कमाल दिखा रहे है। उन्होंने अपनी गेंद से विपक्षी खिलाड़ियों को बांधने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उनकी यह अदा चर्चा का विषय बनी हुई है पिछले आईपीएल सत्र में 27 विकेट लेने वाले गुजरात टाइटंस के गेंदबाज मोहित शर्मा का कहना है कि इंपैक्ट प्लेयर नियम आने के बाद से गेंदबाजों के लिए ज्यादा कुछ बचा नहीं है। टी-20 बल्लेबाजों का खेल बन गया है। हालांकि वह खुद को भाग्यशाली मानते है कि इंपैक्ट प्लेयर के रूप में वह गेंदबाजी में सफल रहे है। हालांकि मोहित शर्मा गुजरात टाइटंस के लिए दमदार प्रदर्शन कर रहे।पिछले आईपीएल सत्र में 27 विकेट लेने वाले गुजरात टाइटंस के गेंदबाज मोहित शर्मा का कहना है कि इंपैक्ट प्लेयर नियम आने के बाद से गेंदबाजों के लिए ज्यादा कुछ बचा नहीं है। टी-20 बल्लेबाजों का खेल बन गया है। हालांकि वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि इंपैक्ट प्लेयर के रूप में वह गेंदबाजी में सफल रहे हैं। इस सत्र में अब तक आठ विकेट ले चुके मोहित शर्मा से अभिषेक त्रिपाठी ने विशेष बातचीत की। पेश हैं प्रमुख अंश :हां, बिल्कुल हमारे लिए अब तक सत्र मिलाजुला रहा है, लेकिन मेरी नजर में नतीजे से ज्यादा आप टीम के रूप में कैसा प्रदर्शन कर रहे हैं, कैसे एक इकाई के रूप में खेल रहे हैं, वह ज्यादा महत्व रखता है। अभी टूर्नामेंट काफी बचा है। मैं ये नहीं कह रहा हूं कि नतीजे हमारे पक्ष में रहेंगे, लेकिन सबसे जरूरी है कि आप कैसी तैयारी के साथ मैदान पर उतरते हैं। टीम का माइंडसेट बहुत अच्छा है और आशा है कि आने वाले मैचों में हम अपनी तैयारियों के अनुसार प्रदर्शन करेंगे।-मुझे लगता है कि अब तक शुभमन ने काफी अच्छी कप्तानी की है। निजी रूप से कहूं तो अगर कप्तान को बार-बार मैदान पर खुद को दिखाने की आवश्यकता पड़ रही है तो कहीं न कहीं मामला थोड़ा गड़बड़ रहता है। शुभमन की बात करें तो वह मैदान पर काफी शांत रहता है। वह चुपचाप अपना काम करता है, ज्यादा दिखाता नहीं है। एक कप्तान के लिए यह सबसे ज्यादा जरूरी कि वह दबाव में घबराने की जगह स्थिति को समझकर उसे चुपचाप जाकर संभाले। वह बहुत अच्छा काम कर रहा है और आशा है कि नतीजे भी हमारे पक्ष में आएंगे। मैं इससे आश्चर्यचकित नहीं हूं। मेरा मानना है कि इंपैक्ट प्लेयर का नियम आने के बाद से 20 से 25 रन स्कोर में अपने आप बढ़ गए हैं। जहां पहले आठ नंबर से आपके गेंदबाज बल्लेबाजी करने उतरते थे, अब इंपैक्ट प्लेयर नियम के बाद आठ नंबर पर आपको एक विशुद्ध बल्लेबाज दिखता है। नौवें नंबर पर आपके पास आलराउंडर रहता है। ऐसे में अब गेंदबाजों के लिए ज्यादा कुछ बचा नहीं है। लेकिन गेंदबाज अब भी थोड़ा ज्यादा दिमाग लगा सकते हैं।

गुजरात के खिलाफ ऋिषभ पंतू ने की दो शानदार स्टंपिंग, पेश कर दी टी20 वर्ल्ड कप के लिए अपनी दावेदारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स (अ९) के कप्तान ऋषभ पंत ने बुधवार 17 अप्रैल को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गजब की स्टंपिंग देखने को मिली। ऋषभ पंत (र्रिेप्ई्हू) ने विकेट के पीछे दो कैच भी लपका। ऋषभ पंत की फील्डिंग देख ऐसा लग रहा था कि वह टी20 वर्ल्ड कप खेलने के लिए अपनी दावेदारी पेश कर रहे हों। आईपीएल 2024 के 32वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स का सामना गुजरात टाइटंस से हुआ। दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत ने विकेट के पीछे से अभिनव मनोहर और शाहरुख खान का शिकार किया। दोनों को स्टंप आउट कर पवेलियन की राह दिखाई। दिल्ली ने गुजरात को उसी के मैदान पर 6 विकेट से मात दी। मुकेश कुमार ने तीन विकेट लिए।आईपीएल 2024 के 32वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स का सामना गुजरात टाइटंस से हुआ। दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। अपने घेरलू मैदान पर खेल रही गुजरात टाइटंस की हालत दिल्ली के गेंदबाजों के आगे खराब दिखी। ईशांत शर्मा ने दूसरे ही ओवर में शुभमन गिल को आउट क्या किया टीम इस झटके से उबर ही नहीं पाई।गुजरात के खिलाफ विकेट पीछे से पंत की रणनीति जीतनी कारगर रही उतनी ही चर्चा उनकी फील्डिंग की भी रही। ऋषभ पंत ने विकेट के पीछे से अभिनव मनोहर और शाहरुख खान का शिकार किया। दोनों को स्टंप आउट कर पवेलियन की राह दिखाई। ट्रिस्टन स्टब्स के ओवर में पंत ने दोनों स्टंपिंग की। पंत ने डेविड मिलर का हवा में छलांग लगाते हुए कैच किया।पंत की शानदार स्टंपिंग जीटी की पारी के नौवें ओवर में हुई। ट्रिस्टन स्टब्स ने एक स्लाइडर गेंद की और मनोहर उसे समझ नहीं पाए और खेलने से चूक गए।

चमारी अथापथु ने खेली 195 रन की ऐतिहासिक पारी, महिला श्रीलंका टीम ने हासिल की वनडे इतिहास की सबसे बड़ी जीत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। चमारी अथापथु की अगुवाई में महिला श्रीलंका टीम ने इतिहास रच दिया है। बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए वनडे मैच को श्रीलंका ने 6 विकेट से जीत लिया। इसी के साथ तीन मैचों की सीरीज में श्रीलंका ने 1-1 की बराबरी भी कर ली। दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम के सेनवेस पार्क में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका टीम ने 302 रन बनाए। कप्तान लॉरा वुलफार्ट ने 147 गेंदों पर 184 रन की पारी खेली। श्रीलंका की ओर से कविशा दिलहारी ने दो विकेट झटके। वहीं इस लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीका टीम 44. 3 ओवर में मैच को जीतने में कामयाब रही। दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम के सेनवेस पार्क में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका टीम ने 302 रन बनाए। कप्तान लॉरा वुलफार्ट ने 147 गेंदों पर 184 रन की पारी खेली। श्रीलंका की ओर से कविशा दिलहारी ने दो विकेट झटके। वहीं, इस लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीका टीम 44. 3 ओवर में मैच को जीतने में कामयाब रही। श्रीलंका की ओर से कप्तान चमारी अटापट्टू ने शानदार 139 गेंदो पर 195 रन की पारी खेली। चामरी ने 139 गेंद का सामना किया और 26 चौके व पांच छक्के लगाए। वहीं, नीलाक्षी डिसिल्वा ने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। श्रीलंका की टीम ने चार विकेट गंवाकर 305 रन बनाए। बता दें कि श्रीलंका की महिला टीम की ओर से वनडे की इतिहास में बनाए गए ये सबसे सर्वाधिक रन है।

इन टीमों का हुआ बुरा हाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने आईपीएल 2024 के 32वें मैच में गुजरात टाइटंस को 6 विकेट से उसी के घर में रौंदा। यह एक लो स्कोरिंग मैच रहा, जिसमें दिल्ली कैपिटल्स ने जीत हासिल की। गुजरात टाइटंस ने पहले बैटिंग करते हुए दिल्ली को 90 रन का लक्ष्य दिया। इसके जवाब में दिल्ली की टीम ने 8.5 ओवर में 4 विकेट खोकर ये चेज किया। आईपीएल 2024 में खराब शुरुआत के बाद दिल्ली कैपिटल्स की टीम जीत की पटरी पर लौट आई है। पंत की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2024 के 32वें मैच में गुजरात टाइटंस को 6 विकेट से धूल चटाई और आईपीएल 2024 में अपनी तीसरी जीत हासिल की। गुजरात द्वारा मिले 90 रन का दिल्ली की टीम ने 67 गेंद बाकी रहते हुए किया।

शुभमन गिल ने इन खिलाडियों को बताया गुजरात टाइटंस की हार का मुजरिम, कहा- अगर डबल हैट्रिक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में बुधवार को खेले गए मैच में दिल्ली कैपिटल्स (अ९) ने गुजरात टाइटंस (उऊ) को 6 विकेट से रौंदकर बड़ी जीत हासिल की। पहले बैटिंग करते हुए गुजरात टाइटंस की शुरुआत खराब रही। दिल्ली के पैसर्स ने गुजरात को 89 रन पर ऑलआउट कर दिया दिल्ली कैपिटल्स ने गुजरात टाइटंस को 6 विकेट से पटखनी दी और आईपीएल के इतिहास की सबसे बड़ी जीत (गेंदों के हिसाब से) दर्ज कराई। दिल्ली कैपिटल्स ने 90 रन का पीछा करते हुए 67 गेंद शेष रहते हुए मुकाबला अपने नाम किया। दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से जेक ने 20 रन बनाए। अभिषेक ने 15 शाई ने 19 और कप्तान पंत ने 16 रन बनाए गुजरात टाइटंस के दोनों ओपनर्स सस्ते में पवेलियन लौटे, जिसके बाद गुजरात की टीम शुरुआती झटकों से उबर नहीं सकी और टीम लगातार विकेट खोती चले गई गुजरात टाइटंस पूरे 20 ओवर का भी खेल नहीं खेल सकी और 17.3 ओवर में 89 रन बनाकर ढेर हो गई। इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने 8.5 ओवर में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। दिल्ली कैपिटल्स द्वारा मिली करारी हार के बाद गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल काफी निराश दिखे।गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने मैच हारने के बाद पोस्ट मैच प्रजेंटेशन के दौरान कहा कि पिच का टीम के खराब प्रदर्शन में कोई रोल नहीं है। गिल ने आगे कहा कि मैं और बाकी बैटर्स ने शॉट सेलेक्शन को जिम्मेदार ठहराया। गिल ने कहा कि हमारी बैटिंग काफी एवरेज थी। इस मैच से आगे बढ़ने और जोरदार कमबैक करने की हमें जरूरत है। अगर आप कुछ विकेट गिरने को देखेंगे तो लगेगा कि विकेट बिल्कुल ठीक था, लेकिन हमारी बैटिंग खराब थी। जैसे ऋद्धिमान भाई और साई सुदर्शन आउट हुए, उसमें पिच का कोई दोष नहीं। हमारे शॉट सेलेक्शन ही खराब रहे। अगर 90 रन के चेज में जब तक कोई गेंदबाज डबल हैट्रिक नहीं लेता, तब तक विरोधी टीम मैच में बनी रहती है।गुजरात टाइटंस की टीम पहले बैटिंग करते हुए17.3 ओवर में 89 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। राशिद खान के बल्ले से सबसे ज्यादा 31 रन निकले। उनके अलावा कोई भी ज्यादा रन नहीं बना सका। दिल्ली की टीम की तरफ से मुकेश कुमार ने तीन और ईशांत और स्टब्स को दो-दो सफलता मिली। 90 रन का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने 67 गेंद शेष रहते ही मैच अपने नाम कर लिया। यह दिल्ली कैपिटल्स की गेंदों के हिसाब से आईपीएल के इतिहास की सबसे बड़ी जीत रही।

गुजरात टाइटंस को हराकर दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल में बनाया शानदार रिकॉर्ड, आखिर दिल्ली के लिए ये जीत क्यों है स्पेशल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आईपीएल 2024 के 32वें मैच में गुजरात टाइटंस की टीम का सामना दिल्ली कैपिटल्स से हुआ। इस मैच में पहले बैटिंग करते हुए गुजरात की टीम 17.3 ओवर में 89 रन पर ढेर हो गई। गुजरात द्वारा मिले 90 रन का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने 8.5 ओवर में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया और 6 विकेट से जीत हासिल की।दिल्ली कैपिटल्स ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों डिपार्टमेंट में अपना दबदबा बनाए रखा। गौरतलब है की आईपीएल के इतिहास में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से रन चेज करते हुए यानी गेंदें बाकी रहने के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले 2022 के आईपीएल में दिल्ली ने 57 गेंदें बाकी रहते हुए मुंबई को हराया था।इस मैच में दिल्ली की टीम ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों डिपार्टमेंट में अपना दबदबा बनाए रखा। गौरतलब है की आईपीएल के इतिहास में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से रन चेज करते हुए यानी गेंदें बाकी रहने के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले 2022 के आईपीएल में दिल्ली ने 57 गेंदें बाकी रहते हुए मुंबई को हराया था गुजरात की सात मैचों में यह चौथी हार है अनुभवी इशांत शर्मा की अगुआई में दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजों ने बुधवार को अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में ऐसा कहर बरपाया कि गुजरात टाइटंस के बल्लेबाजों ने उनके आगे 'सरेंडर' कर दिया। गुजरात के आठ बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए और टीम आइपीएल में अपने न्यूनतम स्कोर 89 पर ढेर हो गई।इससे पूर्व उसका न्यूनतम स्कोर छह विकेट पर 125 रन था और मजे की बात है कि टाइटंस ने यह स्कोर 2023 सत्र में इसी मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स के विरुद्ध ही बनाया था। दिल्ली ने केवल महज 8.5 ओवर में चार विकेट खोकर 92 रन बनाकर टूर्नामेंट में अपनी तीसरी जीत दर्ज की। वहीं, पिछले वर्ष की उपविजेता गुजरात की सात मैचों में यह चौथी हार है और उसके लिए आगे की राह और कठिन हो गई है। गिल के आउट होने के बाद विकेट की लग गई झड़ी बता दें कि दिल्ली कैपिटल्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी और कप्तान रिषभ पंत का यह निणर्य बिल्कुल सही साबित हुआ। अनुभवी इशांत, मुकेश कुमार जैसे विशेषज्ञ गेंदबाज तो कमाल दिखा ही रहे थे, लेकिन विकेटकीपर-बल्लेबाज की भूमिका निभाने वाले ट्रिस्टन स्टब्स ने भी अपनी स्पिन के जाल में दो बल्लेबाजों को फंसाया। इशांत ने दूसरे ओवर में ही कप्तान गिल को आउट किया तो उसके बाद विकेटों की झड़ी लग गई। गुजरात का शीर्षक्रम चरमरा गया और केवल 30 रन पर शुभमन गिल (08), रिद्धिमान साहा (02), साई सुदर्शन (12) और डेविड मिलर (02) लौट चुके थे। गुजरात की हालत कुछ ऐसी ही थी, जैसी पिछले साल इसी मैदान पर मोहम्मद शमी के आगे दिल्ली के बल्लेबाजों की थी। तब दिल्ली ने 4.6 ओवर में केवल 23 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे और शमी ने चार विकेट लिए थे। गुजरात की टीम में इस बार मोहम्मद शमी तो नहीं थे, लेकिन दिल्ली की टीम में इशांत थे। इशांत ने पिछले साल हुए मैच में कमाल की गेंदबाजी की थी और टीम 130 रन का लक्ष्य भी बचाने में सफल रही थी। बुधवार को एक बार फिर इशांत ने मोर्चा संभाला और कप्तान गिल और फिर डेविड मिलर को चलता किया।इसके बाद बाकी गेंदबाजों ने भी गुजरात के बल्लेबाजों को पैर नहीं जमाने दिए। मुकेश ने तीन और स्टब्स ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। गुजरात के लिए केवल राशिद खान की कुछ सामना कर सके और सर्वाधिक 31 रन बनाए दिल्ली के कप्तान पंत विकेट के पीछे पूरे रंग में दिखे। उन्होंने इशांत की गेंद पर बाईं ओर शानदार डाइव लगाकर एक हाथ से डेविड मिलर का कैच लपका, वहीं शाहरुख खान और अभिवन मनोहर को स्टंप्स किया। इसके अलावा उन्होंने एक कैच भी लपका। इसके साथ ही पंत दिल्ली की ओर से विकेट के पीछे सर्वाधिक शिकार करने के मामले में दिनेश कार्तिक के बराबर पहुंच गए कार्तिक ने 2009 में राजस्थान रायल्स के विरुद्ध विकेट के पीछे चार शिकार किए थे। पंत को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। नेट रनरेट के फेर में दिखाई हड़बड़ीः लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली के सामने केवल 90 रन का लक्ष्य था, लेकिन उसके बल्लेबाजों की नजरें मैच जल्द खत्म करने के साथ नेट रनरेट पर थी।

इस सप्ताह की शुरुआत प्रसन्नता के साथ होगी। लेकिन बातचीत में संवत रहें। शिक्षा से जुड़े काम पर ध्यान देने की आवश्यकता है। धैर्य रखना होगा। भागदौड़ बनी रहेगी।

इस सप्ताह आत्म संवत रहने की आवश्यकता है। मन परेशान रहेगा। गुस्सा पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का साथ मिलेगा। लाभ के

मन में आशा-निराशा बनी रहेगी। नकारात्मक विचारों से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। नौकरी में कार्यभार में बढ़ोतरी

सप्ताह के शुरूआत से वाणी में मधुरता रहेगी, लेकिन धैर्यशीलता बनाए रखने की कोशिश करें। शिक्षा से जुड़े कामों में सफलता मिलेगी। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखना

सप्ताह के पहले दिन से मन में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। नौकरी में तरक्की मिलने की संभावना है। शासन सत्ता का योग बन रहा है। भवन सुख मिलेगा। शिक्षा से जुड़े काम में

इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा होगी। परिवार की जिम्मेदारी बढ़ेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। मन परेशान हो सकता है। स्वभाव में

नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों

इस सप्ताह परिवार के साथ धार्मिक यात्रा के योग बन रहे हैं। माता का सहयोग भी प्राप्त होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। ज्यादा उत्साही होने से बचें।

नौकरी में तरक्की होने की संभावना है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव बना रहेगा। मानसिक शांति रहेगी। गुस्सा पर काबू रखें।

परिवार में हंसी-खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। नकारात्मक विचारों से बचाव

मन खुश रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

सम्पादकीय

मुद्दा हो गरीबों पर गर्मी की मार, इस पर चर्चा बेहद जरूरी

गहरी असमानताओं वाले देश में अत्यधिक गर्मी का लोगों पर अलग-अलग प्रभाव पड़ता है। लेकिन जिन्हें चिलचिलाती गर्मी में बाहर रहकर काम करना पड़ता है, उन गरीबों के लिए क्या किया जाएगा, इस पर राजनेताओं के बीच कोई चर्चा नहीं हो रही है। जैसे-जैसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव नजदीक आ रहे हैं, सियासी तापमान बढ़ रहा है, साथ ही भारत के एक बड़े हिस्से को प्रचंड गर्मी भी अपनी चपेट में ले रही है। लेकिन हैरानी की बात है कि राजनेताओं द्वारा जिन मुद्दों पर बहस हो रही है, उनमें जलवायु परिवर्तन का जिक्र नहीं है। यह शर्मनाक है।जलवायु परिवर्तन के कारण भीषण गर्मी के साथ अनियमित एवं चरम मौसमी घटनाएं देश के हर हिस्से और क्षेत्र को प्रभावित कर रही है प्रचंड गर्मी सभी वर्गों के लोगों, खासकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य और खुशहाली को प्रभावित करती है। सक्षम कामकाजी वयस्क-किसान, निर्माण श्रमिक, मोची, रेहड़ी-पटरी वाले, डिलीवरी बॉय भी प्रभावित होते हैं और इसका अर्थव्यवस्था, कृषि, भोजन, पोषण आदि पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। हालांकि हरेक राजनीतिक दल चुनावी मौसम में गरीबों की बात करता है, लेकिन कितने राजनेता सार्वजनिक रूप से मानते हैं कि गर्मी बेशक हर किसी को प्रभावित करती है, लेकिन यह सबको समान रूप से प्रभावित नहीं करती है। देश के लाखों गरीब, जो हमारी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा हैं, वातानुकूलित घरों या पर्याप्त हरियाली वाले हरे-भरे इलाकों में नहीं रहते हैं। वे घरों के अंदर नहीं रह सकते, जैसा कि गर्मी बढ़ने पर सलाह दी जाती है या बर्फ वाला शीतल पानी नहीं पी सकते या लंबे समय तक छाया में नहीं रह सकते। वे घरों से बाहर काम करते हैं। गहरी असमानताओं वाले देश में अत्यधिक गर्मी का लोगों पर अलग-अलग प्रभाव पड़ता है। लेकिन जिन्हें चिलचिलाती गर्मी में बाहर रहकर काम करना पड़ता है, उन गरीबों के लिए क्या किया जाएगा, इस पर राजनेताओं के बीच कोई चर्चा नहीं हो रही है। पिछले दिनों, क्लाइमेट कैंपेनर अविनाश चंचल ने एक्स (पहले ट्विटर) पर कुछ कटु सच्चाइयों को उजागर किया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2020 में गर्मी के कारण 530 मौतें हुईं, वर्ष 2021 में 374 मौतें हुईं और वर्ष 2022 में 730 मौतें हुईं। जैसा कि चंचल ने आगे बताया, फिर भी, लू राष्ट्रीय आपदा नहीं है। हालांकि हमारे देश में हीट ऐक्शन प्लान हैं, लेकिन इससे जुड़ी सेवाओं के लिए केंद्र सरकार की ओर से कोई विशेष फंड नहीं है। माना जाता है कि देश में लू के कारण मरने वालों की संख्या इससे बहुत ज्यादा हो सकती है, क्योंकि बहुत-सी ऐसी मौतों की सूचना विभिन्न कारणवश दर्ज नहीं हो पाती है। एनसीआरबी ने 'प्राकृतिक कारणों से दुर्घटनाएं' शीर्षक के तहत 8,060 मौतों की सूचना प्रकाशित की है, जिनमें से 35.8 फीसदी मौतें आकाशीय बिजली गिरने से, 9.1 फीसदी मौतें लू या भीषण गर्मी से और 8.9 फीसदी मौतें ठंड के कारण बताई गई हैं। क्या ये दुर्घटनाओं के कारण होने वाली आकस्मिक मौतें हैं या ये टाली जा सकने वाली मौतें हैं? क्या इन लोगों को बचाया जा सकता था? अत्यधिक गर्मी या लू से होने वाली मौतें महज आंकड़ा नहीं है। वे वास्तविक लोग थे, जिनका परिवार था। यही नहीं, गर्मी से संबंधित मौतें पूरी कहानी नहीं बतातीं, क्योंकि अत्यधिक गर्मी अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को जटिल बना देती है, भले ही उससे मौत न हो। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस साल भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने एक अप्रैल को ही चेतावनी जारी कर दी थी। आईएमडी द्वारा जारी चेतावनी से इस बार गर्मी में बढ़ते तापमान का पता चलता है, जिससे कई इलाकों में घातक लू की स्थिति भी है। हाल ही में आईएमडी ने हीट इंडेक्स लॉन्च किया है, जो उच्च तापमान पर आर्द्रता के प्रभाव के बारे में सूचना देता है और इस तरह से मनुष्यों को ऐसे तापमान का अहसास कराता है, जिसे मानव के लिए असुविधा के संकेत के रूप में देखा जाता है। यह असुविधा कम करने के लिए अतिरिक्त देखभाल की जरूरत को रेखांकित है। लेकिन यह समझना भी महत्वपूर्ण है कि एक ही शहर के भीतर सभी क्षेत्रों में समान रूप से गर्मी महसूस नहीं होती है। जिन इलाकों में बहुत से पेड़ और हरियाली होती है, वहां का वातावरण ठंडा महसूस होता है, बनिस्पत उन इलाकों के, जहां पेड़ कम होते हैं और इमारतें ज्यादा होती हैं। कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे बुजुर्ग और छोटे बच्चों के सीधे धूप में न जाने के बावजूद गर्मी बढ़ने पर बीमार पड़ने की आशंका ज्यादा होती है। यदि घरों में वेंटिलेशन नहीं है, घर की संरचना कमजोर है।

भारत के चमगादड़, एक चित्र-कथा

चमगादड़ों का अध्ययन करने और लोगों से बात करने के अपने अनुभवों के माध्यम से, मैंने महसूस किया है कि चमगादड़ों से नफरत करने वाले अधिकांश लोगों ने उन्हें कभी करीब से नहीं देखा है। इस चित्र-कथा की मदद से, मैं चमगादड़ों को सौम्य और नम्र जानवरों के रूप में दिखाना चाहता हूं, जिससे यह घृणा पैदा करने के बजाय, लोगो के मन में विस्मय और आश्चर्य पैदा कर सकें। ठबैटठ - अगर हम क्रिकेट बैट की बात नहीं कर रहें हैं तो केवल यह शब्द ही प्रबल नकारात्मक भावनाओं को जगाने के लिए काफी होता है। सदियों से मिथकों में डूबा हुआ, चमगादड़ या बैट, घृणित जानवरों की सूची में शायद सबसे पहले गिना जाता है। पर सच तो यह है कि चमगादड़ घृणित बिलकुल भी नहीं। मैंने एक दशक से अधिक समय तक चमगादड़ों का अध्ययन किया है और हर बार उन्हें देखकर मेरा उनके प्रति लगाव और बढ़ गया है। ये छोटे पावरहाउस हैं जो जटिल सोनार सिस्टम की सहायता लेकर रात के आकाश में विचरण करते हैं। जब हम सो रहे होते हैं, फल खाने वाले चमगादड़ जंगली केले, मैंग्रोव और महुआ जैसे व्यावसायिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण पेड़ों को परागित करते हैं। कीड़े-मकौड़े खाने वाले चमगादड़ हमें कपास, मक्का और चावल की फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीड़ों से छुटकारा दिलाते हैं। जहाँ तक यह धारणा है कि चमगादड़ अशुद्ध जानवर हैं, मैंने शोध के लिए जिन चमगादड़ों को अपने हाथों में पकड़ा है, उनमें से अधिकांश के बाल इतने चिकने और रेशमी थे कि वे शैम्पू विज्ञापन मॉडल बनकर अपना करियर बना सकते थे! चमगादड़ों का अध्ययन करने और लोगों से बात करने के अपने अनुभवों के माध्यम से, मैंने महसूस किया है कि चमगादड़ों से नफरत करने वाले अधिकांश लोगों ने उन्हें कभी करीब से नहीं देखा है। इस चित्र-कथा की मदद से, मैं चमगादड़ों को सौम्य और नम्र जानवरों के रूप में दिखाना चाहता हूं, जिससे यह घृणा पैदा करने के बजाय, लोगो के मन में विस्मय और आश्चर्य पैदा कर सकें। चार फीट के विशाल पंखों वाला यह विशाल चमगादड़ हमारी सबसे परिचित प्रजाति है। जैसा कि नाम से पता चलता है, ये चमगादड़ सिर्फ पंख वाले कुत्ते हैं - लेकिन शाकाहारी कुत्ते! फ्लुयिंग फॉक्स विशेष रूप से फलों और पत्तियों का भोजन करते हैं। जब आप महानगर के ट्रैफिक में फंसे होते हैं, तो ये सुंदर चमगादड़ अक्सर एक दिशा में 50 किमी तक लंबी दूरी अपने पसंदीदा फलदार पेड़ों तक पहुंचने के लिए तय करते हैं। फलों और फूलों को खाकर और इतनी लंबी दूरी तय करके, फ्लुयिंग फॉक्स पेड़ों को परागित करते हैं और फलों के बीजों को दूर-दूर तक फैलाते हैं। इससे हमारे शहरों को हरा-भरा करने के लिए अधिक पेड़ लगाने में मदद मिलती है। वही दूसरी ओर, उनकी इसी फल खाने की आदत के कारण दुर्भाग्यवश उन्हें फल उत्पादक पसंद नहीं करते।जैसे-जैसे तापमान बढ़ना शुरू होता है, फ्लुयिंग फॉक्स को देखने का सबसे अच्छा तरीका शाम के समय अपनी नजदीकी झील पर इंतजार करना है। सूर्यास्त के समय, आपको ये आते और पानी पीने के लिए उतरते दिखाई देंगे। सभी जंगली जानवरों की तरह, चमगादड़ के शरीर में भी वायरस पनपते हैं। फ्लुयिंग फॉक्स के शरीर में निपाह वायरस पाए जाते हैं। ध्यान में रखने वाली बात यह है कि, मनुष्यों में बीमारी का संचरण दुर्लभ है और इसे बुनियादी स्वच्छता नियमों का पालन करके रोका जा सकता है; जैसे कि चमगादड़ की बस्तियों या मल के निकट संपर्क में न आना और चमगादड़ (या उस मामले में किसी भी जानवर) द्वारा काटे गए गिरे हुए फलों का सेवन न करना।यदि भारत में सबसे परिचित चमगादड़ फ्लाइंग फॉक्स (हमारी सबसे बड़ी प्रजाति) है, तो दूसरी सबसे परिचित प्रजाति है सबसे छोटी प्रजाति - भारतीय पिग्मी चमगादड़। पंखों वाला, मुस्कुराते हुए चूहे की तरह दिखने वाला यह चमगादड़ सिर से पैर तक केवल 4 सेमी का है और इसका वजन मात्र 4 ग्राम है - जो कोलगेट टूथपेस्ट की सबसे छोटी ट्यूब से भी हल्का है! पर उनके छोटे आकार पर मत जाइये। हर रात, एक अकेला छोटा चमगादड़ पतंगे, छोटे भृंग और यहां तक कि मच्छरों जैसे एक हजार से अधिक कीड़ों को खा सकता है। इस क्रिया को आप आपके नज़दीकी स्ट्रीटलाइट के नीचे खड़े होकर लाइव देख सकते हैं, जहां ये चमगादड़ अपने उच्च स्वर वाले अल्ट्रासोनिक संकेतों का उपयोग कर इधर से उधर उड़ान भरते हैं और प्रकाश की ओर आकर्षित कीड़ों को पकड़ने के लिए पैंतरेबाज़ी लगाते हैं। वे हमारे घरों और अपार्टमेंटों में किसी एकांत अंधेरे कोने या दरार में सोकर दिन का समय बिताते हैं। एक बार जब मैं कुछ दिनों के लिए दिल्ली में रह रहा था तो मैंने एक चौथी मंजिल के फ्लैट की बालकनी में एक सिक्के के आकार के छेद के अंदर एक पिग्मी चमगादड़ को सोते हुए पाया। हमारे सबसे आम चमगादड़ों के बारे में जानने के बाद, आइए सबसे दुर्लभ और सबसे लुप्तप्राय चमगादड़ों की बात करते हैं। कोलार लीफ-नोज्ड बैट या पत्ती नाक वाले चमगादड़ एक छोटी प्रजाति है जिनका वजन लगभग 10 ग्राम होता है। पत्ती-नाक वाले चमगादड़ों का नाम उनकी पतली और गोल नाक के कारण रखा गया है जो पत्तियों से मिलती जुलती है। इनके नाक के छेद इस जटिल नाक के ऊपर की ओर होते हैं। अपने मुँह के माध्यम से अल्ट्रासोनिक ध्वनि निकालने के बजाय, पत्ती-नाक वाले चमगादड़ अपनी नाक के माध्यम से ध्वनि निकालते हैं। ऐसा करने से वे 180 किलोहर्ट्ज़ तक की ध्वनि उत्पन्न कर सकते हैं - जो हमारी सुनने की क्षमता से नौ गुना अधिक ऊंची ध्वनि है! जबकि अधिकांश अन्य पत्ती-नाक वाले चमगादड़ देश के विभिन्न हिस्सों में आम हैं, कोलार पत्ती-नाक वाले चमगादड़ केवल बेंगलुरु और चेनन्ई के बीच स्थित खनन शहर कोलार की दो गुफाओं में पाए जाते हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इनकी संख्या सिर्फ 250 तक हो सकती है और इनके लिए सबसे बड़ा खतरा ग्रेनाइट खनन है। अच्छी बात यह है कि हाल के वर्षों में, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद और बैट कंजर्वेशन इंडिया ट्रस्ट के वैज्ञानिकों के प्रयासों से इस गंभीर रूप से लुप्तप्राय चमगादड़ की रक्षा के लिए गुफाओं को सुरक्षा प्रदान किया जा रहा है।उत्तर भारत के खंडहरों और किलों में ग्रेटर माउस-टेल्ड चमगादड़ रहते हैं। जैसा कि नाम से पता चलता है, इस चमगादड़ की एक लंबी, चाबुक जैसी पूंछ होती है जिसे यह अक्सर हिलाता है। खुशी में अपनी पूंछ हिलाने वाले कुत्ते के विपरीत, यह चमगादड़ अपनी पूंछ का उपयोग एक अलग उद्देश्य के लिए करते है। पूंछ के सिरे पर महीन बाल होते हैं जो - बिल्ली की मूंछों की तरह - चमगादड़ को अपने आस-पास के परिवेश को समझने में मदद करती हैं।जब यह चमगादड़ अपने निवास स्थान पर मनुष्यों या किसी शिकारी द्वारा परेशान किये जाते है, तो यह अपने पीछे की दीवारों को महसूस करने के लिए अपनी पूंछ का उपयोग करते हैं और एक दरार पाकर चुपचाप पीछे कि ओर चले जाते हैं। इसके अलावा, जब कीड़ों का शिकार करने के लिए ये उड़ान भरते हैं, तो पूंछ का उपयोग स्थिरता बनाए रखने और दिशा बदलने के लिए किया जाता है। माउस-टेल्ड चमगादड़ विशेष रूप से देश के शुष्क क्षेत्रों में पाए जाते हैं। नागपुर के एक धूप-प्रेमी, बारिश-नापसंद करने वाले व्यक्ति के रूप में मैं उनकी इस जीवनशैली को पसंद करता हूं!आइए एक लंबी पूँछ वाले चमगादड़ से, अब एक असाधारण लंबे चेहरे वाले चमगादड़ की ओर आगे बढ़ें। चिंता न करें, लंबी जीभ वाले फल चमगादड़ का चेहरा लंबा होता है, इसलिए नहीं कि वह गुमसुम होते हैं, बल्कि इसलिए क्योंकि उसे फूलों में गहराई तक जाने के लिए उस लंबाई की आवश्यकता होती है, जहाँ से वह रस चूसते हैंइन चमगादड़ों पर अध्ययन कम किया गया है पर ऐसा माना जाता है कि यह मुख्य रूप से जंगली केले के रस का भोजन करते हैं और उनके परागण में मदद करते हैं। इसलिए, यह कहना गलत नहीं होगा कि लंबी जीभ वाले फल चमगादड़ों के बिना, केले कम होंगे। और केले के बिना, हम कोविड लॉकडाउन के दौरान चले अपने पसंदीदा शौक - केले की ब्रेड पकाना - क्या कर पाएंगे? भारत में यह प्रजाति केवल पूर्वोत्तर भारत में पाई जाती है।फॉल्स वैम्पायर बड़े खरगोश जैसे कानों वाले प्यारे चमगादड़ होते हैं। लेकिन इस सुन्दरता के पीछे एक गुप्त शिकारी छिपा हुआ है। भारत में पाए जाने वाले अधिकांश चमगादड़ या तो कीड़े खाते हैं या फल। फॉल्स वैम्पायर मांसाहारी होते हैं। वे ऐसा कुछ भी खा लेते हैं जिसे वे पकड़ सकते हैं। लेसर फाल्स वैम्पायर इधर-उधर जाने के लिए अपने इकोलोकेशन कॉल का उपयोग करके जमीन और झाड़ियों के करीब उड़ते हैं।बड़े कान इन्हें अपने शिकार की गतिविधि का पता लगाने में मदद करते हैं। एक बार जब कोई बड़ा शिकार जैसे कि झाड़ीदार झींगुर या पक्षी पकड़ा जाता है, तो उसे वापस घोंसले में लाया जाता है और टुकड़े-टुकड़े कर दिया जाता है। फॉल्स वैम्पायर देश के पश्चिमी घाट, पूर्वी घाट, पूर्वोत्तर भारत और अंडमान द्वीप समूह जैसे नम क्षेत्रों में पाए जाते हैं।पूर्वी बारबास्टेल एक स्लेटी रंग का, अजीब चेहरे वाला 10 ग्राम का चमगादड़ है। इनके कान, एक छोटी जोड़ी आंखों के ठीक ऊपर आगे की ओर होते हैं। दूसरे शब्दों में, यदि आपको फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता के लिए इस चमगादड़ के रूप में तैयार होना है, तो आपको अपने कानों को अपने माथे पर चिपकाना होगा! यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि कुछ चमगादड़ शोधकर्ता बारबास्टेल को प्यार से ठबार्बीठ कहते है।अधिकांश चमगादड़ों की प्रजातियों की तरह, बार्बी पतंगों का शिकार करते हैं। विकास के लाखों वर्षों में, पतंगों ने भी चमगादड़ के अल्ट्रासोनिक संकेतों को सुनने और उनसे बचने के लिए तंत्र विकसित कर लिए हैं। पर बार्बी ऐसी धीमी आवाजें निकालते हैं जो पतंगे के कान में फुसफुसाहट से भी ज्यादा धीमी होती हैं और वे पास आते चमगादड़ का पता नहीं लगा पाते। भारत में, यह प्रजाति केवल हिमालय, पूर्वोत्तर भारत और दक्षिणी पश्चिमी घाट के ठंडे, पर्वतीय जंगलों में पाई जाती है।स्लेटी, भूरे और सांवले चमगादड़ बहुत हो गए! चमगादड़ रंगीन भी हो सकते हैं और चित्रित चमगादड़ से बेहतर कोई प्रजाति इसका उदाहरण नहीं हो सकती। इसके चमकीले रंगों के कारण इसे कई स्थानीय भाषाओं में ठतितली चमगादड़ठ का नाम भी मिला है। चित्रित चमगादड़ देश के कई अलग-अलग हिस्सों में पाया जाते हैं लेकिन इनका सामना कम ही होता है। हैरानी की बात यह है कि यह अपने चमकीले रंगों को छलावरण के रूप में उपयोग करते है। एक बार जब यह छोटा चमगादड़ सूखे केले के पत्तों के भीतर खुद को स्थापित कर लेता है, तो इसे पहचानना बेहद मुश्किल हो जाता है। चित्रित चमगादड़ बुनकर पक्षियों के लटकते घोंसलों के अंदर सोने के लिए भी जाने जाते हैं। दुर्भाग्य से, उनकी सुंदरता उनके लिए नुकसानदायक भी है। हाल के वर्षों में, वन्यजीव व्यापार के कारण चित्रित चमगादड़ों को खतरा बढ़ गया है। उन्हें अवैध रूप से पकड़ा जाता है, मार दिया जाता है और पश्चिमी बाजारों में बिक्री के लिए काँच के स्मृति चिन्ह के रूप में तैयार किया जाता है।

हम अकेले क्यों हो रहे हैं, बहुत कष्टकारी है उत्तरकाल की यह 'गरीबी'

वर्तमान में सुखवाद चरम पर है। मैं, मुझे, मेरा और मेरी जिंदगी फैशन में है। समायोजन को हेय दृष्टि से देखा जाता है। अवज्ञा और अनादर या वाद-विवाद को आधुनिक माना जाता है। हमें स्कूलों में पढ़ाया गया कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। हम प्राणी तो बने रहे, पर बहुत ही कृत्रिम, भौतिकवादी और आत्मकेंद्रित बन गए। इसका दोषी तकनीक, लालच और बेसब्री या फिर तीनों के संयोजन को मान सकते हैं। संयुक्त परिवार से एकल और फिर संक्षिप्त परिवार बन गए। संयुक्त परिवार का अलग ही रुतबा और फायदा था, जहां मजबूत सहयोगी तंत्र और भावनात्मक जुड़ाव था। बुजुर्गों के पास परिवार को देने के लिए ज्ञान था। तीस-चालीस वर्ष के युवा ऊर्जा बांटते, तो बच्चों की हंसी और मासूमियत परिवार में रौनक बिखेर देती थी। वर्तमान में सुखवाद चरम पर है। मैं, मुझे, मेरा और मेरी जिंदगी फैशन में है। समायोजन को हेय दृष्टि से देखा जाता है। अवज्ञा और अनादर या वाद-विवाद को आधुनिक माना जाता है। बच्चे विदेश चले जा रहे हैं। उनके पास माता-पिता के लिए समय नहीं है। कुछ अपने ही देश में दूसरे शहरों में रहने लगे हैं, उनके पास भी समय नहीं है। माता-पिता बच्चों से जुड़े रहना चाहते हैं, लेकिन बच्चे नहीं। तीन-चार दशक पहले भारत में तलाक कम होते थे। समाज इसे कतई स्वीकार नहीं करता था। लोग वैवाहिक जीवन के पचास वर्ष साथ रहकर गुजार देते थे। पर आजकल यह कहना फैशन है कि हमने अपनी शादी को बचाए रखने की बहुत कोशिश की, लेकिन निभ न सकी। तर्क दिया जाता है कि विवाह बेमेल था। बेमेल विवाह पहले भी होते थे, पर मेल-मिलाप की भरसक कोशिश की जाती थी। ज्यादा कमाने का लालच हमारे युवा जोड़ों को दूसरे देशों या शहरों में ले गया। लेकिन उनके माता-पिता अपने मूल देशों या कस्बों में अकेले रह गए। एकल परिवार का विचार सबसे पहले पश्चिम में आया, जो धीरे-धीरे पूर्व तक जा पहुंचा, जहां संयुक्त परिवार की जीवन-शैली थी। युवा जोड़ों को खुद की आजादी और चिंतामुक्त जीवन तो मिला, लेकिन अभिभावकों से मिलने वाला भावनात्मक लगाव छिन गया। हालांकि अब अमेरिकियों की भी सोच बदल रही है और वे संयुक्त परिवार में रहना चाहते हैं। इस वजह से भारत में वृद्धाश्रमों की वृद्धि हुई है। इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल करने वालों को सब्सिडी दी जानी चाहिए। वृद्धाश्रम का नाम ही डरावना होता है। बेहतर और उज्ज्वल जीवन की तलाश में पूरा जीवन निकल जाता है। उम्र बढ़ने के साथ मनुष्य बुद्धिमान और भावुक हो जाता है और कई बार इतना भावुक हो जाता है कि यह सोचने लगता है कि यह सब किसके लिए कमाया। सामूहिक जीवन का सबसे बड़ा लाभ यह है कि हम अकेलेपन से बच जाते हैं। पश्चिमी समाज आज बहुत अकेला है। अकेलापन बहुत बड़ा दुश्मन है। वरिष्ठ नागरिक इसका प्रतिदिन सामना करते हैं। उनके पास धन और ज्ञान तो खूब है, लेकिन इसे साझा करने के लिए कोई नहीं। समाज संक्रमण के दौर से गुजर रहा है। अलग-अलग समूहों की समस्याएं भी भिन्न-भिन्न हैं। मदर टेरेसा ने कहा है कि सबसे भयानक गरीबी अकेलापन और प्यार की भावना का न होना है। बच्चों या समाज की ओर से त्यागे गए, आर्थिक रूप से कमजोर लोग आश्रय से ज्यादा अपने अस्तित्व के लिए भटकते हैं। संतोष की बात है कि ऐसे लोगों के लिए एनजीओ और धर्मार्थ संगठन काम करते हैं। जिनके पास पैसा है, वे सेवानिवृत्ति के बाद आरामदायक जीवन के लिए भुगतान करके फाइव स्टार सुविधा हासिल करते हैं। एक चलन यह भी है कि समान विचारधारा वाले बुजुर्ग एक बड़ा-सा घर साझा करते हैं, जिससे बिजली और किराये जैसे खर्च में राहत मिलती है। साथ ही वे एक-दूसरे की देखभाल भी कर सकते हैं। कुछ महिला और पुरुष अकेले ही रहना चाहते हैं। कुछ ऐसे भी हैं, जो एक-दूसरे का साथ तो चाहते हैं, लेकिन साथ रहेंगे नहीं। इसे अलग ढंग से देखें, तो अकेलापन दूर करने का एक प्रेमालाप है। दुनिया भर की सेना या सशस्त्र बलों के अधिकारियों का आधा जीवन मेस में ही गुजर जाता है। सेना में अधिकारियों की रैंक के अनुसार मेस होती है। समान आयु वालों के साथ भोजन करते हैं। इसलिए हम वरिष्ठ नागरिकों की आवास इकाइयों को होस्टल या मेस के रूप में देख सकते हैं। जापानी लेखक हारुकी मुराकामी ने लिखा है कि लोगों को इतना अकेला क्यों रहना पड़ता है? इसका मतलब क्या है? इस दुनिया में लाखों लोग अपनी संतुष्टि के लिए दूसरों की ओर देख रहे है, फिर भी खुद को अलग-थलग कर रहे हैं। क्यों? क्या यह धरती मनुष्य के अकेलेपन को दूर करने के लिए है?

संक्षिप्त समाचार

डॉक्टर निशांत छाजेड़ की याद में गुंजन अस्पताल ने किया फ्री ओपीडी और भंडारे का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा डॉक्टर निशांत छाजेड़ की याद में गुंजन अस्पताल द्वारा मंगलवार को फ्री ओपीडी और भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें लोगों की काफी भीड़ जुटी।

अस्पताल के ओनर डॉक्टर वीपी सिंह ने बताया कि डॉक्टर निशांत छाजेड़ की याद में प्रत्येक मंगलवार को अस्पताल द्वारा फ्री ओपीडी और भंडारे का आयोजन किया जाता है। इस दौरान काफी भीड़ जुटती है। डॉक्टर वीपी सिंह ने कहा, बहुत से ऐसे लोग होते हैं, जिनकी इलाज तक पहुंच नहीं होती है, ऐसे में इस तरह के फ्री कैंप बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने कहा कि इसी के मद्देनजर हमारे अस्पताल द्वारा प्रत्येक मंगलवार को फ्री कैंप लगाया जाता है और कोशिश रहती है कि अधिक से अधिक लोगों को मुफ्त इलाज मिल सके, इसके साथ ही भंडारा भी लगाया जाता है, जिसमें लोगों की भारी भीड़ उमड़ती है।

क्या है भारत और अमेरिका के बीच हुआ जेट इंजन सौदा, रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने की जमकर तारीफ

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने बुधवार को सांसदों को बताया कि भारतीय वायु सेना के लिए संयुक्त रूप से लड़ाकू जेट इंजन बनाने का भारत-अमेरिका सौदा क्रांतिकारी है। इस

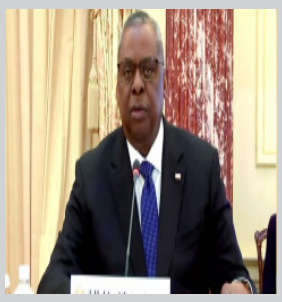

ऐतिहासिक सौदे की घोषणा पिछले जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका की ऐतिहासिक आधिकारिक यात्रा के दौरान की गई थी। जनरल इलेक्ट्रिक ने भारतीय वायुसेना के लिए लड़ाकू जेट इंजन बनाने के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे।ऑस्टिन ने सदन विनियोग उपसमिति को बताया कि संयुक्त राज्य अमेरिका के भारत के साथ महान संबंधठ हैं। उन्होंने कहा, हमने हाल ही में भारत को जेट हथियार, भारत में जेट इंजन का उत्पादन करने में सक्षम बनाया है और यह एक तरह से क्रांतिकारी है। इससे उन्हें एक बड़ी क्षमता मिलेगी। हम भारत के साथ एक बख्तरबंद वाहन का सह-उत्पादन भी कर रहे हैं।

यूक्रेन पर रूसी हमले में 17 लोगों की मौत, 60 से अधिक घायल

कीव। यूक्रेन के शहरों पर रूसी हमले जारी हैं। उसने बुधवार को उत्तरी यूक्रेन के शहर चेर्नेहिव को निशाना बनाया। मिसाइल हमले में कम से कम 17 नागरिकों की मौत हो गई और 60 से अधिक लोग घायल हो गए, जिसमें तीन बच्चे शामिल हैं। हमले में नागरिक ढांचे व अस्पताल को नुकसान पहुंचा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रूसी हमले के कुछ घंटे बाद पश्चिमी देशों से हथियारों की आपूर्ति करने की मांग की जिससे रूस को जवाब दिया जा सके। चेर्निहिव के कार्यवाहक मेयर ओलेक्जंडर लोमेको ने बताया कि बुधवार सुबह नौ बजे के बाद शहर के व्यस्त इलाके में तीन जोरदार धमाके हुए। इससे एक बहुमंजिला इमारत ध्वस्त हो गई।

व्यापारियों एवं वैश्य समाज के प्रतिनिधि मंडल ने भाजपा एवं डॉ महेश शर्मा को विजय दिलाने का संकल्प लेते हुए दिया अपना खुला समर्थन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। गौतम बुद्ध नगर लोकसभा सीट के भाजपा प्रत्याशी डॉ महेश शर्मा (सांसद एवं पूर्व मंत्री भारत सरकार) के समर्थन हेतु सुनील गुप्ता (एनसीआर अध्यक्ष चेयरमैन व्यापार मंडल एवं जिला अध्यक्ष (आईवीएफ) के नेतृत्व में डॉक्टर साहब के सेक्टर 15ए स्थित उनके आवास पर अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन (आईवीएफ), उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल एवं अखिल भारतीय अग्रवाल वैश्य मित्र मंडल के प्रतिनिधि मंडल के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों की सहमति से भाजपा के प्रति अपने समर्थन पत्र दिए। इस अवसर डॉ महेश शर्मा ने संस्थाओं के समर्थन पत्र को स्वीकार करते हुए वायदा किया कि वह अभी तक व्यापारियों एवं समाज के प्रति जागरूक रहे हैं एवं आगे भी व्यापारियों एवं समाज

की प्रगति के लिए वचनबद्ध है और उसके लिए कार्य करते रहेंगे साथ ही उन्होंने सभी संस्थाओं से अपील की है कि वह गौतम बुद्ध नगर का वोट प्रतिशत बढ़ाने के लिए जो भी उचित कदम हो वह उठाएं एवं जितना ज्यादा से ज्यादा हो सके उतनी ज्यादा वोटिंग करवा वोट प्रतिशत को बढ़ाने मैं अपना सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जैन, अखिल भारतीय अग्रवाल वैश्य मित्र मंडल राष्ट्रीय अध्यक्ष राधा कृष्ण गर्ग महासचिव सुधीर पोरवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश बंसल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल, संगठन महामंत्री मनोज गुप्ता, मनोज गुप्ता एडवोकेट, श्री भगवान अग्रवाल, जी मनोज गोयल, धर्मवीर बंसल, सुनील वर्मा, जे. एस बेदी, अक्षय अग्रवाल, उषा थापा समेत सभी पदाधिकारी एवं एवं सदस्यों ने भाजपा को ज्यादा से ज्यादा वोटो एवं सीटों से विजय दिलाने का संकल्प लेते हुए अपना खुला समर्थन दिया।

इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को जिताने के लिए घर-घर जाकर दस्तक दे रहे हैं भाकपा कार्यकर्ता- गंगेश्वर दत्त शर्मा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा भाजपा को हराने और इंडिया गठबंधनसमाजवादी पार्टी के प्रत्याशी डॉक्टर महेंद्र सिंह नागर को भारी मतों से विजई बनाने के लिए सीपीआई(एम) पार्टी की नेता रेखा चौहान, गुड़िया देवी, कल्पना आदि के नेतृत्व में गांव बरौला सेक्टर- 49, नोएडा व झुग्गी बस्ती सेक्टर- 50, आदि कई स्थानों पर चुनावी अभियान के तहत घर-घर जाकर लोगों से भाजपा प्रत्याशी को हराने व समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी डॉक्टर महेंद्र सिंह नागर को उनके चुनाव चिन्ह साइकिल पर वोट देकर विजई बनाने की अपील किया। चुनावी अभियान के तहत जगह नुक्कड़ मीटिंग सभाएं की गई।

चैलेंजर्स ग्रुप चला रहा मतदान जागरुकता अभियान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा चैलेंजर्स ग्रुप द्वारा आगमी लोकसभा का मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए नोएडा स्थित

सेक्टर 12-22, 21, 62 के विभिनन स्थानों पर रोशनी कुमारी के नेतृत्व में नुक्कड़ नाटक निरंतर प्रस्तुत किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत मताधिकार के महत्व को समझाते हुए पोस्टर्स, स्लोगन जैसेः मेरा वोट मेरी सरकार, नशे से न नोट से देश बदलेगा वोट से, वोट फॉर नेशन आदि जैसे नारों से जनता को जागरूक कर संदेश पहुँचाया जा रहा है। चैलेंजर्स ग्रुप के संस्थापक प्रिंस शर्मा ने कहा कि नुक्कड़ नाटक को प्रस्तुत करने का उद्देश्य न केवल मतदान प्रतिशत को बढाना है बल्कि एन.वी.एस.पी., वोटर पोर्टल व वोटर हेल्पलाइन ऐप पर निर्वाचन से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा कर ऐप के माध्यम से वोटर बनने के लिए आनलाइन आवेदन करने हेतु प्रेरित करना है। नाटक का समापन वहाँ उपस्थित लोगों को जागरूक नागरिक बन शपथ दिलाकर किया गया। मजबूत लोकतंत्र के लिए जरूरी है कि मतदाताओं को निर्वाचन प्रक्रिया की पूरी जानकारी हो और उसमें उनकी सक्रिय भागीदारी हो । इस मौके पर मेघानशी, सचिन, चाँदनी, शिवम, कृष, कार्तिक, राजेश्वरी आदि कलाकार मौजूद रहे ।

DURGAWATI
INTERNATIONAL SCHOOL & COLLEGE
Admission Open 2024-2025
प्रवेश प्रारम्भ 2024-2025

www.durgawatischool.com
ICSE Affiliation Code :- UP481
Facilities
High quality labs
Expert Teachers
Modern Facilities
Overall Development
NURSERY TO CLASS 12TH
Free Transport 0 to 3 KM
Contact:-9415017879, 7081152877, 8957282536
Champaran Estate, Gosaura Kala, Dorwa Road,
Meja Prayag raj, Uttar Pradesh, India

बड़े मियां छोटे मियां की आंधी में मैदान बर्बाद, 7 दिनों में इतना भी नहीं कमा पाई फिल्म

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अजय देवगन की फिल्म 'मैदान' के लिए बॉक्स ऑफिस पर टिकना मुश्किल हो गया है। इस स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म को क्रिटिक्स से अच्छे रिव्यू मिले। फिर भी बिजनेस के मामले में 'मैदान' पिछड़ती चली जा रही है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की 'बड़े मियां छोटे मियां' है। ईद पर बॉक्स ऑफिस पर मैदान और बड़े मियां छोटे मियां का क्लैश हुआ। हालांकि इसका नतीजा अजय देवगन की फिल्म सह नहीं पा रही है क्योंकि पूरे बॉक्स ऑफिस पर बड़े मियां छोटे मियां ने पैर पसार रहे रखे हैं। हालांकि खुद ज्यादा बिजनेस नहीं कर पाई है अब तक लेकिन मैदान से काफी आगे चल रही है। ईद पर बॉक्स ऑफिस पर हुए इस क्लैश का नतीजा 'मैदान' सह नहीं पा रही है, क्योंकि पूरे बॉक्स ऑफिस पर 'बड़े मियां छोटे मियां' ने कब्जा कर रखा है। यहां तक कि रिलीज का एक हफ्ता पूरे करने के बावजूद 'मैदान' 30 करोड़ का आंकड़ा भी नहीं पार कर पाई। 'मैदान' रिलीज के पहले दिन से बिजनेस करने के लिए तरस रही है। ओपनिंग डे पर फिल्म ने 2.60 करोड़ के साथ टिकट खिड़की पर खाता खोला। हालांकि, वीकेंड पर फिल्म का कलेक्शन थोड़ा बढ़ा। शनिवार को 'मैदान' ने 5.75 और रविवार को 6.40 करोड़ कमाए। मैदान' के मंडे टेस्ट की बात करें, तो बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का दम निकल गया। रिलीज के पांचवे दिन यानी सोमवार को बिजनेस लुढ़क कर एक करोड़ पर पहुंच गया। ये सिलसिला अब तक बना हुआ है, क्योंकि मंगलवार को भी फिल्म ने सिर्फ 1.60 करोड़ कमाए। एक हफ्ते में कमाए इतने करोड़ 'मैदान' के बुधवार की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने 17 अप्रैल को देशभर में 2 करोड़ कमाए। 'मैदान' ने इसके साथ ही रिलीज 7 दिनों में डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर 27.10 करोड़ की कमाई कर ली है।'मैदान' का डायरेक्शन अमित रविंद्रनाथ शर्मा ने किया है। वहीं, फिल्म को आकाश चावला, अरुणव जॉय सेनगुप्ता, बोनी कपूर और जी स्टूडियो ने प्रोड्यूस किया है। 'मैदान' में अजय देवगन के साथ साउथ एक्ट्रेस प्रियामणि अहम किरदार में शामिल हैं।

टाइम' मैग्जीन की 100 सबसे प्रभावशाली हस्तियों में शुमार हुई आलिया भट्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट को फिल्म इंडस्ट्री में 12 साल हो चुके हैं। इन सालों में अभिनेत्री ने ज्यादातर हिट फिल्में दी हैं और कई अवॉर्ड भी जीते हैं। अभिनेत्री ने अपने काम लेकर नए-नए रिकॉर्ड भी तैयार किए हैं। आलिया भट्ट ने एक बार फिर बॉलीवुड इंडस्ट्री का नाम रोशन कर दिया है। हर साल की तरह इस साल भी टाइम मैग्जीन ने अपनी 100 सबसे प्रभावशाली शख्सियतों की लिस्ट जारी की है जिसमें आलिया भट्ट का भी नाम शामिल है । इसकी जानकारी खुद उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करके दी है । अब आलिया का नाम एक बार फिर सुखिर्यों में आ गया है। हर साल की तरह इस साल भी टाइम मैग्जीन ने अपनी 100 सबसे प्रभावशाली शख्सियतों की लिस्ट जारी की है, जिसमें आलिया भट्ट का भी नाम शामिल है। इसकी जानकारी खुद उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करके दी है। इस लिस्ट में भारतीय मूल के अभिनेता देव पटेल भी शामिल है। सिंगर दुआ लीपा, ऑस्कर विजेता डा'वाइन जॉय रैंडोल्फ और ऑस्कर नामांकित अभिनेता जेफरी राइट और कोलमैन डोमिंगो, ताराजी पी हेंसन, इलियट पेज, माइकल जे. फॉक्स, सोफिया कोपोला, हयाओ मियाज़ाक, भारतीय खिलाड़ी साक्षी मलिक भी शामिल हैं। आलिया ने पिछले साल हार्ट ऑफ स्टोन से हॉलीवुड में डेब्यू किया था, जिसमें गैल गैडोट और जेमी डोर्नन भी नजर आए थे। अब जल्द वह अपने होम प्रोडक्शन की फिल्म जिगरा में नजर आएंगी। इसके अलावा उनके पास संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर भी है।

रिलीज से पहले हीरामंडी में पकड़ गई ये गलती, डेब्यू वेब सीरीज में संजय लीला भंसाली से हो गई बड़ी चूक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। वेब सीरीज हीरामंडी का नाम बीते समय से लगातार सुर्खियां बटोर रहा है। डायरेक्टर संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी इस सीरीज का हाल ही में लेटेस्ट ट्रेलर रिलीज किया गया है। जिसे देखने के बाद इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। डायरेक्टर संजय लीला भंसाली वेब सीरीज हीरामंडी के साथ डिजिटल दुनिया में पर्दापण करने जा रहे हैं। हाल ही में इस सीरीज का शानदार ट्रेलर रिलीज किया गया है जिसें देख फैंस की एक्साइटमेंट इसके लिए काफी बढ़ गई है। इस बीच हीरामंडी के ट्रेलर में कुछ यूजर्स ने बड़ी गलती पकड़ ली है जिसकी चर्चा अब हर तरफ हो रही है। लेकिन हीरामंडी के ट्रेलर में सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने बड़ी गलती पकड़ ली है, जो अब भंसाली की चूक बताई जा रही है। ऐसे में आइए जानते हैं कि हीरामंडी के ट्रेलर में क्या कम सामने आई है। कुछ दिन पहले ही हीरामंडी-द डायमंड बाजार का ट्रेलर लॉन्च किया गया है। मल्टी स्टारर इस सीरीज को लेकर सिनेप्रेमियों में जबरदस्त हाइप बना हुआ है। लेकिन रेडिट पर एक यूजर ने अब हीरामंडी के इस ट्रेलर में एक कमी तलाश ली है और उसका स्क्रीन शॉट्स शेयर किया है। इस तस्वीर में आप देख सकते हैं कि एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी और एक्टर फरदीन खान एक साथ दिखाई दे रहे हैं। इसमें नोटिस करने वाली चीज अदिति राव है, जिनका माइक्रोफोन वायर साफतौर दिख रहा है। यूजर्स अब इसे हीरामंडी की एडिटिंग डेस्क की बड़ी गलती मान रही हैं। साथ ही संजय लीला भंसाली को इसका दोषी मान रहे हैं कि वह इतने बड़े फिल्ममेकर हैं और इस गलती को क्यों नहीं पकड़ पाए। इस मामले को लेकर अब हीरामंडी की चर्चा और अधिक बढ़ गई है। बता दें कि इस सीरीज में सोनाक्षी सिन्हा, मनीषा कोइराला, ऋचा चड्ढा, अदिति राव हैदरी और फरदीन खान जैसे कई कालाकार मौजूद हैं। कब रिलीज होगी हीरामंडी इस कमी को छोड़ दिया जाए तो ओवरऑल हीरामंडी-द डायमंड बाजार के ट्रेलर की काफी तारीफ की जा रही है। जिसकी वजह से इसकी रिलीज का फैंस बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

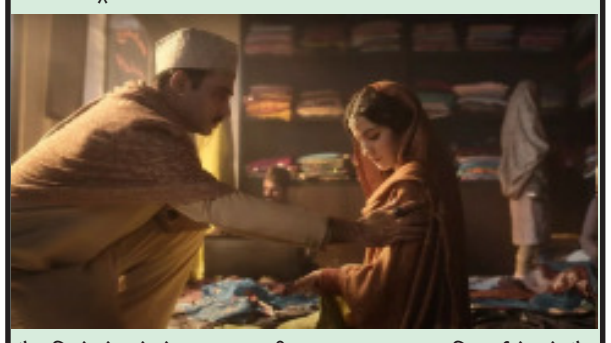

लोगों को मसालेदार गपशप एलएसडी 2 डायरेक्टर दिबाकर बनर्जी ने की सुशांत सिंह राजपूत के निधन पर बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। डायरेक्टर दिबाकर बनर्जी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म एलएसडी 2 का जमकर प्रमोशन कर रहे हैं। यह मूवी कल यानी 19 अप्रैल सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। दिबाकर बनर्जी ने अब एक इंटरव्यू में अपनी प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी कई चीजों के बारे में बात की है। इसके साथ ही उन्होंने दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को लेकर भी कई बातें की हैं। दिबाकर बनर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म एलएसडी 2 को रिलीज होने में अब बस कुछ ही घंटों का समय बाकी है। फिलहाल वह अपनी इस मूवी का प्रमोशन करते हुए नजर आ रहे हैं। अब हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बारे में बात की है और बताया है कि कैसे लोग उस समय बातें कर रहे थे। बता दें कि डायरेक्टर दिबाकर बनर्जी और दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने साथ में फिल्म 'डिटेक्टिव ब्योमकेश बख्शी' में काम किया था। अब सिद्धार्थ कनन्न के साथ एक इंटरव्यू में दिबाकर ने याद किया कि कैसे सुशांत की मौत को मीडिया ने कवर किया था। डायरेक्टर दिबाकर बनर्जी ने सुशांत के बारे में करते हुए कहा कि जब उनका निधन हुआ, तो उनकी मृत्यु के कारण के बारे में खबरों में बहुत कुछ चल रहा था। मुझे खुद को हर चीज से अलग करना पड़ा। मैं सब कुछ सुन रहा था, लेकिन किसी को यह कहते हुए नहीं सुन सका कि एक यंग अभिनेता की मृत्यु हो गई। मैंने उसके आसपास किसी को शोक मनाते नहीं देखा। मैं सिर्फ लोगों को मसालेदार गपशप खोजने की कोशिश करते हुए देख सकता था। इसलिए मुझे इस स्थिति से दूर जाना पड़ा। कोई यह नहीं कह रहा था कि हम सुशांत को याद कर रहे है। कोई भी इस बारे में बात नहीं कर रहा था कि कैसे एक बाहरी व्यक्ति होने के बावजूद उन्होंने टेलीविजन में अभिनय किया और आखिरकार फिल्मों में अपनी शुरुआत की। हर कोई बस साजिश के बारे में कयास लगा रहा था कि किसने सुशांत को ड्रग्स दिया, किसने उसकी हत्या की। वह शोक सभा कहां है, जो लोग उनसे प्यार करते थे उन्हें उनकी फिल्मों की स्क्रीनिंग रखनी चाहिए थी और इस पर चर्चा करनी चाहिए थी। हम उनकी सभी अच्छी यादों को संजोकर क्यों नहीं रखते।

जाह्नवी कपूर संग फिल्म में रोमांस फरमाते नजर आएंगे सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सैफ अली खान की बेटी सारा अली खान की तरह अब उनके बड़े बेटे इब्राहिम अली खान भी अपने डेब्यू को लेकर सुखिर्यों में हैं। खबर है कि वो अपना डेब्यू 'सरजमीं' नाम की फिल्म से करने जा रहे हैं। इब्राहिम अली खान काफी समय से अपने डेब्यू को लेकर चर्चा में हैं। वह बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम कर चुके हैं लेकिन हीरो के रूप में नजर आने वाले हैं। अब खबर है कि वह जल्द पर्दे पर जाह्नवी कपूर के साथ नजर आ सकते हैं। इस फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस महिमा भी नजर अएंगी । वहीं अब खबर है कि इब्राहिम पर्दे पर जाह्नवी कपूर के साथ नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट की मानें तो दूसरी फिल्म इब्राहिम एक नहीं बल्कि दो हीरोइन के साथ नजर आएंगे। वह जान्हवी कपूर और महिमा मकवाना के साथ कोलैबोरेट किया है। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इब्राहिम, जान्हवी और महिमा ने एक साथ एक रोमांटिक-कॉम फिल्म के लिए साइन अप किया है। फिल्म की स्क्रिप्टिंग और कास्टिंग हो चुकी है। यह जल्द ही प्री-प्रोडक्शन चरण के अन्य हिस्सों में आगे बढ़ेगी और फिर अगले साल शूटिंग शुरू होगी, ङ्क। एक सूत्र ने अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए खुलासा किया है। रिपोर्ट्स में आगे कहा गया है कि इस फिल्म का निर्देशन शशांक खेतान करेंगे। अभी सब कुछ बहुत कच्चे स्टेज पर है, लेकिन एक बात पक्की है कि यह इन तीन अभिनेताओं का एक प्रेम त्रिकोण होगा। कहा जा रहा है कि इब्राहिम का किरदार फिल्म में तुतलाता हुआ दिखेगा।ङ्क यह फिल्म मैडॉक और धर्मा द्वारा सह-निर्मित होगी और एक नाटकीय रिलीज होगी। बता दें, इब्राहिम अली खान ने करण जौहर की फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम कर चुके हैं। ये फिल्म बीते साल रिलीज हुई थी। पर्दे पर काफी हिट साबित हुई है।

बॉक्स ऑफिस पर अक्षय-टाइगर की बीएमसीएम का राज, काम बिजनेस के बावजूद सबसे आगे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की 'बड़े मियां छोटे मियां' का एक्शन बॉक्स ऑफिस पर फुस्स साबित हो रहा है। थिएटर्स में फिल्म ने रिलीज के एक हफ्ते पूरे कर लिए है, लेकिन कमाई के मामले में नई ऊंचाइयां नहीं छू पा रही है, जबकि रिलीज से 'बड़े मियां छोटे मियां' को लेकर कई बड़े दावे किए गए थे। हालांकि, यहां एक बात राहत देने वाली है कि कम बिजनेस के बावजूद 'बड़े मियां छोटे मियां' बॉक्स ऑफिस पर बाकी फिल्म से आगे चल रही है। बड़े मियां छोटे मियां की शुरुआत बॉक्स ऑफिस पर ठीक रही। ओपनिंग डे पर फिल्म ने लगभग 15 करोड़ के साथ खोला। हालांकि 500 करोड़ के भारी- भरकम बजट में बनी फिल्म के लिए ये आंकड़े थोड़ा निराश करने वाले हैं। दूसरे तो हालत और भी खस्ता रही क्योंकि फिल्म का बिजनेस गिरकर सीधा आधा यानी 7 करोड़ गया 'बड़े मियां छोटे मियां' ने ज्यादा से ज्यादा बिजनेस करने के लिए हर पैंतरा आजमाया। यहां तक कि ईद का फायदा उठाने के लिए आखिरी वक्त में फिल्म की रिलीज डेट में भी फेरबदल किया गया 'बड़े मियां छोटे मियां' की शुरुआत बॉक्स ऑफिस पर ठीक रही। ओपनिंग डे पर फिल्म ने लगभग 15 करोड़ के साथ खोला। हालांकि, 500 करोड़ के भारी-भरकम बजट में बनी फिल्म के लिए ये आंकड़े थोड़ा निराश करने वाले हैं। दूसरे तो हालत और भी खस्ता रही, क्योंकि फिल्म का बिजनेस गिरकर सीधा आधा यानी 7 करोड़ गया 'बड़े मियां छोटे मियां' ने वीकेंड पर दम दिखाने की कोशिश और कलेक्शन में उछाल लेकर आई। शनिवार को फिल्म ने 8 और रविवार को 9 करोड़ के करीब कमाई की, लेकिन मंडे टेस्ट में एक बार फिर जोर का झटका जोरो से लग गया। सोमवार को 'बड़े मियां छोटे मियां' का कलेक्शन धड़ाम हो गया और फिल्म सिर्फ 2.50 करोड़ कमा पाई। यही हार बाकी वीक डेज में भी रहा। 'बड़े मियां छोटे मियां' ने मंगलवार को बैलेंस बनाने की कोशिश की।

बेंगलुरु में बसा है 'शोले' का 'रामगढ़', शूटिंग के लिए शहर से गांव तक बनाई गई थी सड़क

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रमेश सिप्पी की शोले से कई दिलचस्प किस्से जुड़े हुए हैं। 1975 में आई इस आइकोनिक फिल्म अपने अभिनेताओं के साथ-साथ उस जगह को भी प्रसिद्ध बना दिया, जहां शूटिंग हुई थी। पूरी शोले की कहानी रामगढ़ नाम के गांव के इर्द- गिर्द बुनी गई थी। पूरी फिल्म में इस गांव को उत्तर भारत में स्थित दिखाया गया था, लेकिन असलियत सोच के परे है यानी हैरान करने वाली है। अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र की पिक्चर शोले यादगार फिल्मों की लिस्ट में शामिल है। फिल्म की शूटिंग पूरी करने में लगभग ढाई साल का वक्त लगा। इसके लिए मुंबई से काफी दूर एक दूसरे शहर के गांव में सेट तैयार किया गया। जहां शोले का रामगढ़ गांव बसाया गया। फिल्म की शूटिंग की लोकेशन से जुड़ा ये किस्सा बेहद दिलचस्प है। संजीव कुमार, धर्मेंद्र, अमिताभ बच्चन, अमजद खान, हेमा मालिनी और जया बच्चन ने शोले में अहम किरदार निभाए है। फिल्म की कहानी दो दोस्तों जय और वीरू के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनका किरदार अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र ने निभाया है। दोनों को एक रिटायर्ड पुलिस अधिकारी क्रूर डाकू गब्बर सिंह को पकड़ने के लिए काम पर रखता है। इन सबके बीच एक कड़ी है, जो इन्हें पूरी फिल्में जोड़े रखती है और वो है रामगढ़ गांव। शोले का रामगढ़ दक्षिण भारत में बसा है। ये कर्नाटक के बेंगलुरु के पास के एक शहर रामनगर के चट्टानी इलाके में है। इस क्षेत्र में फिल्म की शूटिंग करना आसान नहीं था। शोले के निर्माताओं को बेंगलुरु हाईवे से लेकर रामनगर तक, एक लंबी सड़क बनानी पड़ी थी, ताकि शूटिंग का सारा सामान और ट्रांसपोटेशन आसानी से हो सके। यहां तक कि शोले के रामगढ़ गांव को भी तैयार किया था, जिसे आर्ट डायरेक्टर राम येडेकर ने बनाया था। एक वक्त पर रामनगर के एक हिस्से का नाम कथित तौर पर डायरेक्टर के नाम पर 'सिप्पी नगर' रखा गया था। अब ये जगह प्रसिद्ध टूरिस्ट स्पॉट बन गई है। रामनगर जाने वालों को शोले के उन पहाड़ों पर भी घूमने का मौका मिलता है, जहां गब्बर सिंह और साथियों का अड्डा था। हालांकि, फिल्म के सीन इस गांव में नहीं शूट नहीं किए गए थे। शोले के जेल और ट्रेन डकैती वाला सीन इस रामनगर गांव से बाहर शूट किया गया था। जेल के सेट को बॉम्बे के राजकमल स्टूडियो के पास बनाया गया था, ताकि सूरज की नेचुरल लाइट में शूटिंग की जा सके।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज
उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं
आधुनिक समाचार
पब्लिसिंग हाउस सी 41
यूपीएसआईडीसी नैनी प्रयागराज
211010 (उ.प्र.)
से प्रकाशित
सम्पादक/प्रकाशक
डा. पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।